page 1 and 8 oct 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 09-10-2025 01:35 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, आधा दर्जन से अधिक वाहन जब्त

5 वुहान ओपन 2025 : नाओमी ओसाका ने लेला फ नंडिज को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई

8 शलजम की खेती

न्यूनतम 19 मौसम जम्मू अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-248 | जम्मू तवी, वीरवार 09 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

गृह मंत्री आज नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे

- उपराज्यपाल सिन्हा, मुख्य सचिव और सुरक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे
- बैठक में आतंकवाद विरोधी अभियानों, घुसपैठ नियंत्रण और सर्दियों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की ने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्य सचिव अटल डुलू, गृह मंत्रालय, खुफिया ब्यूरो, सेना, सीआरपीएफ और बीएसएफ सहित अर्धसैनिक बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद है।

सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में घुसपैठ विरोधी अभियानों, सर्दियों की तैयारियों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि गृह मंत्री ने पिछले महीने जम्मू की अपनी यात्रा के दौरान एक व्यापक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की आतंकवाद के प्रति अडिग शून्य-सहिष्णुता की नीति को दोहराया था। शाह ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को केंद्र शासित प्रदेश से आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया करने के लिए कड़ी सतर्कता बरतने और समन्वित तरीके से काम करने का निर्देश दिया था। शाह ने अमरनाथ यात्रा 2025 के शांतिपूर्ण और सफल संचालन को सुनिश्चित करने में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और सुरक्षा बलों की प्रशंसा की थी। गौरतलब है कि सितंबर के अंतिम सप्ताह में, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में एकीकृत मुख्यालय (UHQ) की बैठक की अध्यक्षता की थी और सुरक्षा के शीर्ष अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर चर्चा की थी। बैठक के दौरान घुसपैठ और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर गहन चर्चा हुई। बैठक के दौरान उपराज्यपाल सिन्हा ने अधिकारियों से कहा, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है।

जनवरी से बिना शुल्क बदल सकेंगे कन्फर्म टिकट की यात्रा तिथि

रेल मंत्री का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जनवरी से यात्री बिना किसी शुल्क के अपने कन्फर्म ट्रेन टिकट की यात्रा तिथि ऑनलाइन बदल सकते हैं। वैष्णव ने कहा कि यह व्यवस्था अनुचित है और यात्रियों के हित में नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बदलावों को लागू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वर्तमान में, यात्रियों को ऑनलाइन टिकटों की यात्रा तिथि बदलने की अनुमति नहीं है। यात्रियों को मौजूदा टिकट रद्द करके अपनी इच्छित तिथि के लिए नया टिकट बुक करना होता है जिस पर रद्दीकरण शुल्क लागू होता है हालाँकि, रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि नई तारीख पर कन्फर्म टिकट मिलने की कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि यह सीट की उपलब्धता पर निर्भर करता है। इसके अलावा, अगर नए टिकट की कीमत ज़्यादा है, तो यात्रियों को किराए का अंतर चुकाना होगा। हाल ही में, ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट ने ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट वेबसाइट या ऐप के ज़रिए बुक किए जाने वाले जनरल टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए नए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। आधार-प्रमाणित उपयोगकर्ताओं से संबंधित संशोधित ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट दिशानिर्देश अक्टूबर से लागू होंगे आईआरसीटीसी के बयान के अनुसार, यह नियम केवल आरक्षित सामान्य टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग पर लागू होगा। भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों के माध्यम से सामान्य आरक्षित टिकटों की बुकिंग के समय में कोई बदलाव नहीं होगा।

भारतीय वायुसेना आज तकनीक, कौशल और क्षमता तीनों में अग्रणी है : वायुसेना प्रमुख

'हम सब मिलकर इस वायुसेना को बनाते हैं। हर वायु योद्धा का योगदान अमूल्य है'

मुझे गर्व है कि मैं ऐसी वायुसेना का हिस्सा हूं जो न केवल अत्याधुनिक तकनीक से लैस है बल्कि साहस और समर्पण में भी अतुलनीय है।

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर वायुसेना का 93वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना आज तकनीक, कौशल और क्षमता तीनों में अग्रणी है। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मैं ऐसी वायुसेना का हिस्सा हूं जो न केवल अत्याधुनिक तकनीक से लैस है बल्कि साहस और समर्पण में भी अतुलनीय है। हमारे वायु वीरों ने हर युग में इतिहास रचा है। 1948, 1971, 1999 के युद्ध हों या फिर बालाकोट एयर स्ट्राइक और हालिया ऑपरेशन सिंदूर, हर बार भारतीय वायुसेना ने देश की रक्षा और सम्मान की नई मिसाल कायम की है। यहां सीडीएस, वायुसेना प्रमुख, थलसेनाध्यक्ष व नौसेना की मौजूदगी में हेरिटेज विमानों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया। तीनों सेनाओं के मार्चिंग दस्ते ने अपना प्रदर्शन किया। वायुसेना सेना के परेड दस्ते ने कदम ताल करते हुए सबका ध्यान आकर्षित किया। वहीं इस दौरान अपने संबोधन में एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, हम न केवल आसमान के रक्षक हैं, बल्कि राष्ट्र के सम्मान के संरक्षक भी हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की निर्णायक कार्रवाई ने भारत की रणनीतिक स्थिति को और मजबूत किया। यह ऑपरेशन इस बात का प्रमाण है कि समर्पण, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण के जरिए कितनी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, हम सब मिलकर इस वायुसेना को बनाते हैं। हर वायु योद्धा का योगदान अमूल्य है। चाहे शांति का समय हो या युद्ध का, हर एक का कार्य उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने यहां ऑपरेशन सिंदूर व अन्य ऑपरेशन में शामिल रहे एयर वॉरियर्स को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने समस्त एयर वॉरियर्स को संदेश दिया कि निरंतर प्रशिक्षण और आत्म अनुशासन से ही वायुसेना की शक्ति बनी रहती है। उन्होंने कहा, यह आवश्यक है कि हम नियमित प्रशिक्षण से खुद को हर कार्य के लिए सक्षम बनाएं।

खबर संक्षेप

कुलगाम के कलाम इलाके में सीआईए की छापेमारी, संदिग्ध दस्तावेज़ बरामद

जम्मू, 8 अक्टूबर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के कलाम इलाके में राज्य जांच एजेंसी ने बुधवार को छापेमारी की। यह छापेमारी निसार अहमद नाजर पुत्र कमाल नाजर, निवासी कलाम, कुलगाम के घर पर की गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई एक चल रही जांच के सिलसिले में की गई है जो सुरक्षा से जुड़े मामलों से संबंधित है। छापेमारी कानूनी प्रक्रिया के तहत मजिस्ट्रेट और पुलिस की मौजूदगी में की गई। तलाशी के दौरान एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज़ और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं, जिनकी आगे जांच की जा रही है। राज्य जांच एजेंसी ने हाल के महीनों में जम्मू-कश्मीर में अपनी कार्रवाइयों को तेज़ किया है ताकि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल नेटवर्क को समाप्त किया जा सके और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों को मजबूत किया जा सके।

बिश्नाह कस्बे में माइनर नहर से पानी नहीं निकाले जाने पर सड़कों में जलभराव

जम्मू, 8 अक्टूबर। बिश्नाह कस्बे में पानी की माइनर नहर से पानी की निकासी न होने के कारण सड़कें पानी से भर गईं, जिससे स्थानीय लोग परेशान हो गए। इस समस्या को लेकर नागरिकों ने पीडब्ल्युडी, म्युनिसिपल कमेटी और सिंचाई विभाग के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया। इस दौरान बिश्नाह म्युनिसिपल कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन जय भारत ने विरोध जताने के लिए कुर्सी लेकर सड़क के बीच बैठकर प्रदर्शन किया। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई करने और पानी की निकासी सुनिश्चित करने की मांग की।

सोपोर पुलिस का छापा, जेकेआईएम से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री बरामद

सोपोर, 08 अक्टूबर। सोपोर पुलिस ने बुधवार को ह्यगाम में सैयद यूसुफ शाह के आवास पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस दल को प्रतिबंधित संगठन जेकेआईएम से संबंधित साहित्य और तस्वीरों सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई, जिन्हें विस्तृत जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठन जम्मू और कश्मीर इतिहाद-उल-मुस्लिमीन (जेकेआईएम) से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित एफआईआर संख्या 33/2025 की जांच के तहत की गई। सक्षम न्यायालय से उचित कानूनी अनुमति मिलने के बाद तलाशी ली गई।अधिकारियों ने दोहराया कि गैरकानूनी या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए गए व्यक्तियों या संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी, जिससे सोपोर और आसपास के इलाकों में शांति, स्थिरता और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखी जा सके।

भूस्खलन में महिला की मौत, छह अन्य घायल

डोडा, 08 अक्टूबर। डोडा ज़िले के भरत बागला के पास बुधवार को बसवाल इलाके में पत्थरों के गिरने से हुए भीषण भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। एसोसिएटेड हॉस्पिटल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (एएचजीएमसी) की आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार यह दुर्घटना तब हुई जब एक पहाड़ी से पत्थर लुढ़ककर एक वाहन (जेके06सी-0825) से टकरा गए, जिससे उसमें सवार लोग घायल हो गए।

नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर लॉन्च पैड्स पर आतंकियों की मौजूदगी : आईजी यादव

श्रीनगर, 08 अक्टूबर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कश्मीर फ्रंटियर के आईजी अशोक यादव ने बुधवार को दावा किया कि नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर लॉन्च पैड्स पर आतंकियों के मौजूद होने की खुफ़िया जानकारी मिली है। इसके बावजूद कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों की सतर्कता और आधुनिक निगरानी उपकरणों के इस्तेमाल के कारण पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशें कामयाब नहीं हो पाई हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद नियंत्रण रेखा पर स्थिति के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यादव ने संवाददाताओं से कहा कि जिस तरह से बीएसएफ और सेना ने सतर्कता और आधुनिक निगरानी उपकरणों के इस्तेमाल से नियंत्रण रेखा पर अपना दबदबा बनाया है, उससे यह सुनिश्चित हुआ है कि घुसपैठ की कोशिशें कामयाब न हों। उन्होंने कहा कि सर्दियाँ लगभग दो महीने दूर हैं इसलिए आतंकवादी कोशिशें करते रहेंगे, लेकिन हमारे क्षेत्र पर दबदबे के कारण हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी कोशिश का पता लगाया जाए और उसे नाकाम किया जाए। लॉन्च पैड्स पर घात लगाए बैठे आतंकवादियों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि संख्या समय-समय पर बदलती रहती है।

खराब मौसम के कारण तीन दिन से रुकी वैष्णो देवी यात्रा शुरू

कटरा, 08 अक्टूबर। प्रतिकूल मौसम के कारण तीन दिन से रुकी वैष्णो देवी यात्रा आज फिर शुरू हो गई। त्रिकुटा पर्वतीय क्षेत्र में भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंका के कारण एहतियात के तौर पर यात्रा को रोक दिया गया था। मौसम में सुधार होते ही अधिकारियों ने सभी सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करते हुए श्रद्धालुओं के लिए मार्ग फिर से खोल दिए हैं। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि यात्रा सुचारू रूप से फिर से शुरू हो गई है और तीर्थयात्रियों को भवन की ओर बढ़ने की अनुमति दी जा रही है। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से आधिकारिक माध्यमों से अपडेट रहने और अपनी यात्रा के दौरान सुरक्षा संबंधी सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। श्राइन बोर्ड ने आधिकारिक बयान में कहा था कि आईएमडी की मौसम संबंधी सलाह के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर 2025 तक निलंबित रहेगी और 8 अक्टूबर को फिर से शुरू होगी।

कोकरनाग में चल रहे आतंकवाद-रोधी अभियान के बीच सेना के दो जवान हुए लापता

श्रीनगर, 08 अक्टूबर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के ऊपरी इलाकों में चल रहे आतंकवाद-रोधी अभियान के बीच सेना के दो जवान संपर्क से बाहर होते ही लापता हो गए हैं। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी। सैनिकों का पता लगाने के लिए घने जंगलों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों का मानना है कि पिछले दो दिनों से चल रहे खराब मौसम के कारण उनका संपर्क टूट गया होगा। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि हाल ही में हुई बर्फबारी के कारण खराब दृश्यता और दुर्गम इलाके के कारण दोनों जवान अपनी टीम से भटक गए होंगे। ये जवान उस छोटी टीम का हिस्सा थे जिसने कल इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। तब से उनसे संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है। तलाशी अभियान में जमीनी सैनिकों की सहायता के लिए हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। सूत्रों ने कहा कि अभियान जारी है और सेना और सुरक्षाकर्मी जवानों का पता लगाने के लिए जंगलों में तलाशी ले रहे हैं। इस बीच रक्षा अधिकारियों ने कहा कि उन्हें सैनिकों के लापता होने की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

मुख्य सचिव ने भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 8 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुलू ने आज जम्मू-कश्मीर में चल रही भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यद्यपि यह प्रक्रिया जटिल और कठिन है, फिर भी यह केंद्र शासित प्रदेश में पारदर्शिता, सटीक भूमि स्वामित्व रिकॉर्ड, कुशल नियोजन और बेहतर कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। बैठक में राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन; सर्वेक्षण एवं भूमि अभिलेख निदेशक; पंजीकरण महानिरीक्षक; राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के सीईओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जबकि सभी उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। मुख्य सचिव ने डिजिटलीकरण प्रक्रिया को अत्यंत सटीकता के साथ पूरा करने के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा कि भूमि संबंधी विवादों का एक बड़ा हिस्सा भूमि अभिलेखों में विसंगतियों के कारण उत्पन्न होता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रगति की नियमित निगरानी और मूल्यांकन सुनिश्चित करने तथा अगले छह से सात महीनों के भीतर आधुनिकीकरण प्रक्रिया को हर दृष्टि से पूरा करने के निर्देश दिए। वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए, डुलू ने निदेशक, भूमि अभिलेख को निर्देश दिया कि वे सभी उपायुक्तों को कुछ गाँवों में लुप्त मुसावियों (कैडस्ट्रल मानचित्रों) के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करें। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को दो महीने के भीतर पूरा करने के लिए जिलों को आवश्यक सहायता प्रदान की जाए, ताकि शेष गाँवों के लिए आगे की कार्यवाही उसके बाद निर्धारित की जा सके। मुख्य सचिव ने भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के प्रमुख घटकों, जैसे जमाबंदियों का डिजिटलीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्रों का भू-संदर्भीकरण, सर्वेक्षण संख्याओं का उप-विभाजन, पंजीकरणों का संपूर्ण डिजिटलीकरण, अभिलेख कक्षों का आधुनिकीकरण, राजस्व न्यायालयों का कम्प्यूटरीकरण, शहरी स्थानीय निकायों में नक्शा का कार्यान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति कार्ड वितरण हेतु स्वामित्व योजना, के अंतर्गत प्रगति की भी समीक्षा की।

सांबा में गुरु ग्रंथसाहिब की बेअदबी के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू, 8 अक्टूबर। पुलिस ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा ज़िले में गुरु ग्रंथ साहिब का अपमान करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि रामगढ़ के कौलपुर गांव के निवासी मंजीत सिंह उर्फ बिल्ला ने मंगलवार देर रात पवित्र ग्रंथ में आग लगाने के लिए कुछ ज्वलनशील तेल का इस्तेमाल किया जिसके बाद सिख समुदाय ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच जारी है।

घटना की खबर फैलते ही कौलपुर गाँव और आस-पास के इलाकों में तनाव फैल गया। सिख समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया और अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कौलपुर बॉर्डर रोड को जाम कर दिया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद, उत्तेजित भीड़ ने आरोपी के घर को तहस-नहस कर दिया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें तैनात की गईं। धार्मिक नेताओं ने घटनास्थल का दौरा किया श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी), अमृतसर के अधिकारियों सहित वरिष्ठ सिख नेताओं ने परिसर का निरीक्षण करने और स्थिति की समीक्षा करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया।

दो कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों के दो एकमंजिला आवासीय मकान कुर्क

अवंतीपोरा, 8 अक्टूबर। अवंतीपोरा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए बुधवार को दो कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों के लगभग 18 लाख मूल्य के दो एकमंजिला आवासीय मकान कुर्क किए। ये मादक पदार्थ तस्कर मुजफ्फर अहमद शल्ला पुत्र गुल मोहम्मद शल्ला निवासी करेवा जबलीपोरा बिजबिहाडा और जाविद अहमद गनी पुत्र स्वर्गीय अली मोहम्मद राठेर निवासी गुंड बाबा खलील नैना संगम हैं। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 68-एफ के तहत ये कुर्कियाँ की गईं। एसडीपीओ पंपोर आर.पी. सिंह की देखरेख में पंपोर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक खालिद फैयाज द्वारा की गई जाँच के दौरान इन आवासीय संपत्तियों की पहचान अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के रूप में की गई। जाँच से पता चला कि ये संपत्तियाँ मादक पदार्थों और मनरूप्रभावी पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित की गई थीं।

उपमुख्यमंत्री ने लसजन-सुमेरबुघ क्षेत्र में पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

श्रीनगर 08 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, जो लोक निर्माण विभाग के मंत्री का भी कार्यभार संभाल रहे हैं, ने चडूरा के विधायक अली मोहम्मद डार के साथ लसजन सुमेरबुग क्षेत्र का विस्तृत दौरा किया।

दौरे के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कई जन प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें सड़क संपर्क और अवसंरचना से संबंधित विभिन्न स्थानीय मुद्दों से अवगत कराया।

सुरिंदर चौधरी ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को लसजान कडलाबल सड़क पर तुरंत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए, जिसे लगभग 11 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से उन्नत किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी को लंबित कार्य नवंबर के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि दिसंबर में यह सड़क आम जनता के लिए खोल दी जा सके।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को 15 दिसंबर तक सीर-सुमेरबुग पुल के समयबद्ध निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया, साथ ही यह बताया कि पुल का शेष भाग 2 करोड़ रुपनये की लागत से निर्मित किया जा रहा है।

पीडीपी विधानसभा में जम्मू-कश्मीर भूमि अधिकार एवं नियमितीकरण विधेयक पेश करेगी : महबूबा

श्रीनगर, 8 अक्टूबर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने आज घोषणा की कि पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा के आगामी सत्र में जम्मू-कश्मीर भूमि अधिकार एवं नियमितीकरण विधेयक, 2025 जिसे बुलडोजर विरोधी विधेयक भी कहा जाता है पेश करेगी। प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य उन व्यक्तियों, परिवारों और संस्थाओं की भूमि जोत को नियमित करना है जो 30 वर्षों से अधिक समय से लगातार ज़मीन पर काबिज़ हैं जिससे मालिकाना अधिकार सुरक्षित होंगे, मनमाने ढंग से बेदखली को रोका जा सकेगा और जम्मू-कश्मीर में सामाजिक और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित होगी। गुलमर्ग और कश्मीर के अन्य हिस्सों में चल रहे भूमि और पट्टे के संकट पर प्रकाश डालते हुए मुफ्ती ने कहा कि भूमि अनुदान नियम, 2022 ने पुराने पट्टों के नवीनीकरण को समाप्त कर दिया है जिससे समाप्त हो चुके पट्टों पर चल रहे दर्जनों होटलों को बेदखल होने या नीलामी के माध्यम से सरकारी अधिग्रहण का खतरा है। गुलमर्ग के लगभग 60 होटलों जिनमें नेडौस और हाईलैंड्स पार्क जैसे विरासत प्रतिष्ठान शामिल हैं को गुलमर्ग विकास प्राधिकरण से अधिग्रहण के नोटिस मिले हैं। जिन होटल व्यवसायियों ने भारी निवेश किया है, वे अब गंभीर वित्तीय संकट, कानूनी अनिश्चितता और आजीविका के लिए खतरों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि पट्टे के नवीनीकरण और भूमि नियमितीकरण पर स्पष्ट सरकारी नीति के अभाव ने गहरी अनिश्चितता पैदा कर दी है जिससे पर्यटन, स्थानीय रोजगार और कश्मीर के आतिथ्य क्षेत्र में निवेशकों का विश्वास प्रभावित हो रहा है।

डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत जम्मू-कश्मीर ने 1.05 करोड़ आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खातों का आंकड़ा किया पार

श्रीनगर, 8 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत 1.05 करोड़ से ज़्यादा आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए) बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह उपलब्धि प्रौद्योगिकी-संचालित, एकीकृत सेवाओं के माध्यम से पूरे केंद्र शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा वितरण में बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एबीएचए की कुल संख्या 1,05,04,499 तक पहुंच गई है जो डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को तेजी से अपनाने को दर्शाता है। एबीडीएम से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं और डिजिटल भुगतान में आगे बढ़ रहा है बल्कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवा में भी अग्रणी बनकर उभर रहा है। सितंबर 2021 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया गया मिशन औपचारिक रूप से जुलाई 2022 में यूटी में शुरू किया गया था और तब से इसमें उल्लेखनीय गति आई है। एबीडीएम का लक्ष्य देश भर में स्वास्थ्य सेवा हितधारकों को जोड़ने वाला एक मजबूत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो निर्बाध सेवा वितरण को सक्षम बनाता है। अकेले सितंबर 2025 में जम्मू-कश्मीर में 7.5 लाख एबीएचे कार्ड बनाए गए जो ज़मीनी स्तर पर तेज़ी से अपनाए जाने का प्रमाण हैं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव सैयद आबिद रशीद शाह और ।ठक्ड मिशन निदेशक अनंत द्विवेदी के मार्गदर्शन में केंद्र शासित प्रदेश ने कई राष्ट्रीय मानकों को पार कर लिया है और जन स्वास्थ्य पेशेवरों सरकारी अस्पतालों और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं का 100 पंजीकरण हासिल किया है।

वरदान है मां का दूध

दुनियाभर में मां के दूध को बच्चे के लिए सबसे बढ़िया माना गया है। यह शिशु के लिए क़ुदरती आहार है, जिसका दूसरा कोई विकल्प नहीं है। नवजात बच्चे के लिए यह पोषण का सबसे बढ़िया स्रोत है। यह बच्चे को कई बीमारियों व इन्फैक्शंस से बचाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मां जब बच्चे को दूध पिलाती है, तब उन दोनों में भावनात्मक संबंध और मज़बूत होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर दूध पिलाना फ़ायदेमंद रहता है।

क्यों है ज़रूरी?-

मां का दूध डिब्बाबंद दूध की अपेक्षा जल्दी हज़म हो जाता है। इसमें फैट, ग्लूकोज़, पानी और प्रोटीन संतुलित मात्रा में होते हैं, जो बच्चे के विकास के लिए ज़रूरी हैं। मां के दूध में पाया जाने वाला प्रोटीन आसानी से पच जाता है, इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मां का दूध पीने वाले बच्चे ज़्यादा बुद्धिमान होते हैं, मोटापे का शिकार नहीं होते और उन्हें भविष्य में कई बीमारियों का ख़तरा भी कम होता है।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चे विकास के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों से वंचित रह जाते हैं। जिन बच्चों को मां का दूध नहीं मिल पाता, उनमें ब्रैस्ट फीड लेने वालों के मुक़ाबले मौत का ख़तरा 2-7 गुना ज़्यादा रहता है या गंभीर बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

ये है फ़ायदा-

ब्रैस्ट फीडिंग शिशु के लिए संरक्षण और संवर्धन का काम करती है। नए जन्मे बच्चे में रोग प्रतिरोधक शक्ति नहीं होती। मां के दूध से यह शक्ति

शिशु को हासिल होती है। मां के दूध में लैटोफोर्मिन नामक तत्व होता है, जो बच्चे की आंत में लौह तत्व (आयरन) को बांध लेता है। आयरन के कारण शिशु की आंत में रोगाणु पनप नहीं पाते। मां के दूध से आए साधारण जीवाणु बच्चे की आंत में पनपते हैं और रोगाणुओं से प्रतिस्पर्धा कर उन्हें पनपने नहीं देते। वातावरण से मां की आंत में पहुंचे रोगाणु, आंत में स्थित विशेष भाग के संपर्क में आते हैं, जो उन रोगाणुविशेष के ख़िलाफ़ प्रतिरोधक तत्व बनाते हैं। ये तत्व एक विशेष नलिका थोरासिक डट से सीधे मां के स्तन तक पहुंचते हैं और दूध से बच्चे के पेट में। इस तरह मां का दूध पीकर बच्चा हमेशा स्वस्थ रहता है।

मां की तंदुरुस्ती का राज़-

एक अध्ययन के अनुसार जो महिला अपने बच्चे को दूध पिलाती है, उसके शरीर में 400-600 कैलोरी अतिरिक्त ख़र्च होती है। इससे प्रैगनेंसी के दौरान शरीर पर चढ़ी अतिरिक्त फैट कम हो जाती है। यूट्रस भी अपने वास्तविक आकार में आ जाता है। डिलीवरी के बाद होने वाली लीडिंग भी कम होती है। ब्रैस्ट व यूट्रस कैंसर होने का ख़तरा भी कम हो जाता है।

ये है ख़तरा-

जिन बच्चों को बचपन में पर्याप्त रूप से मां का दूध पीने को नहीं मिलता, उनमें टाइप-टू डायबिटीज़ होने की संभावना अधिक होती है। उनमें बुद्धि विकास अपेक्षाकृत कम होता है। अगर बच्चा समय पूर्व जन्मा (प्रीमेच्योर) हो, तो उसे बड़ी आंत का घातक रोग, नेक्रोटाइजिंग एंटोरोकोलाइटिस हो सकता है। अगर गाय का दूध पीतल के बर्तन में उबालकर दिया गया हो, तो शिशु को लीवर का रोग 'इंडियन चाइल्डहुड सिरोसिस' हो सकता है।

कब पिलाएं दूध-

जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का दूध पिलाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि नॉर्मल डिलीवरी हो, तो आधे घंटे बाद और यदि सिज़ेरियन हो, तो दो घंटे बाद बच्चे को फीड दी जानी चाहिए।

जब भी बच्चा रोता है, तब कुछ मांएं तुरंत उन्हें दूध पिलाना शुरू कर देती हैं, पर बच्चे को दो घंटे के बाद ही दूध पिलाएं। बच्चे को दिनभर में ग्यारह-बारह बार दूध पिलाना चाहिए। कुछ बच्चे धीरे-धीरे दूध पीते हैं, तो कुछ जल्दी ही पी लेते हैं, इसलिए बच्चे को तब तक दूध पिलाएं, जब क कि उसका पेट भर न जाए। कई बार मांएं जल्दी दूध छुड़वा लेती हैं, पर तब तक बच्चे का पेट नहीं भरा होता।

फीड ही ह पर्याप्त है-

बच्चे को चार महीने की उम्र तक मां के दूध के अलावा कुछ भी देने की ज़रूरत नहीं होती। जो बच्चे केवल मदर फीड लेते हैं, बोतल का दूध नहीं पीते, उन्हें इस दौरान पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। उन्हें मां के दूध से ही पूरा पोषण मिल जाता है।

मिथ-

कई लोगों में यह धारणा है कि पहले दो-तीन दिन मां को जो दूध आता है, वह बच्चे को नहीं पिलाना चाहिए। यह धारणा ग़लत है। इस गाढ़े व पीले रंग के दूध को कोलेस्ट्रॉम कहते हैं। यह बच्चे के लिए बहुत फ़ायदेमंद है, क्योंकि इसमें प्रोटींस, एनर्जी और प्रोटैक्टिव एंटी बॉडिज़ होते हैं, जो बच्चे को कई बीमारियों से बचाते हैं। जन्म के समय कोलेस्ट्रॉम की एक-एक बूंद आंख में डाल दें, तो कुछ बैटीरिया आंखों में होते ही नहीं। लेकिन ऐसा सिर्फ़ एक ही बार करें।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुज़ारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए ख़राब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दपति नाश्ता तो जल्दबाज़ी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें। डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी ज़िंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर ज़रूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैस होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउज़ी बना देता है और आपको कफर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज़्ज़ा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज़ करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को ख़राब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेड और उबला हुआ खाना खाएं।

- चीनी युक्त चीज़ों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

फैट भी है ज़रूरी

फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी ज़रूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम की डिवैलपमेंट सही तरीक़े से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज़्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज़्यादा कैलोरीज़ कंज़्यूम कर लेते हैं। इससे वज़न बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिसीज़, हाई ब्लड प्रैशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फ़ीसदी से ज़्यादा कैलोरीज़ फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैच्युरेटिड फैट्स: सैच्युरेटिड फैट्स फैटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मखन, मार्जरिन, चीज़, क्रीम व आईसक्रीम में पाया जाता है। कुछ सैच्युरेटिड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल। स्किड मिल्क (मलाई के बग़ैर दूध) और लो फैट चीज़ों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैच्युरेटिड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैच्युरेटिड फैट्स: अनसैच्युरेटिड फैट्स आमतौर पर रूम टैपरेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैच्युरेटिड और मोनोअनसैच्युरेटिड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिसीज़ के ख़तरे में बढ़ौतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज़ प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज़्यादा सेवन करने से वज़न बढ़ सकता है। लो-फैट फूड्स जैसे सब्ज़ियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक ज़रूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरित कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिसीज़ का ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों का ज़्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैच्युरेटिड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं। ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसैस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनकेसेवन से बचें।

क्यों है ज़रूरी?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं। 20 से 30 फ़ीसदी कैलोरीज़ हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, इ और के को असॉर्ब करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं।
- फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज़ मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज़ मिलती हैं।
- हैल्दी स्किन के लिए फैट्स ज़रूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रैगुलेट करने में मदद करती है।
- हैल्दी झिल्ली के बग़ैर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स ज़रूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रैगुलेट करते हैं। ये सैस हार्मोन की प्रॉडशन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज़्यादा पतली होती हैं, उनमें ह्श्वयूबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- एनर्जी का न्यूट्रिशस ज़रिया होने के अलावा ये भोजन को लेवर और टेस्ट देते हैं।

शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रॉटैटिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉर्स

नट्स, ऑयल्स, मखन और मीट में फैट काफ़ी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफ़ी ज़्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

मंडलायुक्त ने ग्रेटर श्रीनगर की व्यापक सीवरेज योजना की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 8 अक्टूबर (हि.स.)। कश्मीर के मंडलायुक्त अंशुल गर्ग ने ग्रेटर श्रीनगर के जोन III की व्यापक सीवरेज योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के आयुक्त; श्रीनगर के अतिरिक्त उपायुक्त; केपीडीसीएल के मुख्य अभियंता; यूईईडी के अधीक्षण अभियंता; के साथ-साथ आरएंडबी, एनबीसीसी और राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान एनबीसीसी के अधिकारियों ने परियोजना पर एक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बताया गया कि ट्रंक सीवर लाइन 99% पूरी हो चुकी है, लेटरल सीवर लाइन 100% पूरी हो चुकी है, 60 एमएलडी एसटीपी 98% पूरा हो चुका है, घरेलू कनेक्शन पूरी तरह से पूरे हो चुके हैं और 60 एमएलडी इनफॉल पंप स्टेशन 100त्न पूरा हो चुका है।

निर्देश दिया गया कि पूर्ण हो चुकी प्रणाली का परीक्षण 16 अक्टूबर 2025 को शुरू किया जाएगा जो परियोजना के अंतर्गत शहर के तीन में से दो क्षेत्रों को कवर करेगा और कुल 13,000 से अधिक घरों को कवर करने का लक्ष्य रखेगा।

बैठक में परियोजना को प्रभावित करने वाली प्रमुख चुनौतियों पर भी चर्चा हुई जिनमें दुकानों का स्थानांतरण, पीएचई लाइनों का पुनर्निर्धारण और 11 केवी तथा 33 केवी बिजली लाइनों का स्थानांतरण शामिल है। समय पर पूरा करने पर ज़ोर देते हुए संभागीय आयुक्त ने घरेलू कनेक्टिविटी में बाधा डालने वाली समस्याओं सहित सभी लंबित मुद्दों के शीघ्र समाधान का आह्वान किया। उन्होंने संबंधित विभागों को दुकानों के स्थानांतरण के लिए उपयुक्त भूमि तलाशने के भी निर्देश दिए जो सेक्टर-1 को मुख्य सीवरेज नेटवर्क से जोड़ने के लिए आवश्यक है।

उपायुक्त ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा परिदृश्य और बुनियादी ढाँचे के विकास की समीक्षा की

पुंछ, 8 अक्टूबर (हि.स.)। पुंछ के जिला मजिस्ट्रेट अशोक कुमार शर्मा ने आज प्रभावी सीमा प्रबंधन पर जिला स्तरीय स्थायी समिति (डीएलएससी) की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की।

पुंछ के डाक बंगले के सम्मेलन कक्ष में आयोजित यह बैठक मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकटवर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे के विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से बुलाई गई थी जिसका उद्देश्य सुरक्षा बलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाली नागरिक आबादी के बीच समन्वय को मजबूत करना था।

बैठक में बोलते हुए डीएम ने सीमावर्ती बंकरों की स्थिति बिजली आपूर्ति परिदृश्य, जलापूर्ति और नागरिक सुविधाओं की व्यापक समीक्षा की।

उन्होंने छूटे हुए गाँवों, यदि कोई हों, के विद्युतीकरण, सौर प्रकाश व्यवस्था और सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के घरों और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास पर ज़ोर दिया। सेना, बीएसएफ और अन्य अर्धसैनिक और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने जिला मजिस्ट्रेट को नियंत्रण रेखा पर मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य से अवगत कराया।

इसके अतिरिक्त समिति ने जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की बढ़ती चिंता पर भी चर्चा की।

सुरक्षा एजेंसियों और नागरिक अधिकारियों ने नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए लागू की जा रही रणनीतियों पर संक्षिप्त जानकारी दी।

बैठक में संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में बंकर निर्माण की गति का भी जायजा लिया गया और महत्वपूर्ण सुरक्षा-संबंधी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के तरीकों की खोज की गई।

कठुआ खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, आधा दर्जन से अधिक वाहन जब्त

कठुआ, 08 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में खनन विभाग ने अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने आधा दर्जन से अधिक वाहनों को जब्त किया है जो बिना ए फॉर्म और अवैध तरीके से जम्मू-कश्मीर से पंजाब की ओर पदार्थ ले जाने का प्रयास कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार जिला खनन अधिकारी के नेतृत्व में खनन विभाग ने जिले भर में अवैध खनन गतिविधियों पर अपनी कार्रवाई तेज करते हुए खनन विभाग की टीम ने कीड़िया गंडयाल क्षेत्र में एक विशेष नाका स्थापित किया। इस दौरान जम्मू-कश्मीर से पंजाब की ओर जाने वाले डंपरों को जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान डंपरों के पास ए फॉर्म नहीं पाए गए। जिसके बाद सभी वाहनों को सीज कर लिया गया। जिला खनन अधिकारी विशाल डोगरा ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बिना ए फॉर्म के पदार्थ को प्रदेश के बाहर ले जाने का प्रयास करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी और बड़ा जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए वाहनों पर काफी बड़ा जुर्माना लगाया जाएगा ताकि आगे से इस तरह की चोरी न हो सके। गौरतलब हो कि खनन विभाग कठुआ की ओर से बीते 5 महीनों में इसी तरह की कार्रवाई में ढाई करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला गया है।

उपायुक्त ने ज़िला स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक में 202 ऋण सहायता मामलों को मंजूरी दी

उधमपुर, 8 अक्टूबर (हि.स.)। उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने आज मिशन युवा योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

यह बैठक नैनो और एमएसएमई क्षेत्रों सहित विभिन्न श्रेणियों के तहत आवेदनों का मूल्यांकन, जांच और अनुमोदन करने तथा जिले में योजना के कार्यान्वयन की समग्र प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी। उपायुक्त ने अधिकारियों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में तेजी लाने सभी लंबित मामलों का निपटारा करने और मौके पर ही ऋण स्वीकृत करने व वितरण के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। एलडीएम को स्वीकृत ऋण मामलों का शीघ्र निपटान और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने युवा दूतों की निरंतर निगरानी के महत्व पर बल दिया और निर्देश दिया कि पहुँच और भागीदारी को अधिकतम करने के लिए जिले भर में नियमित जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएँ।

पुलिस ने अवंतीपोरा में खनिजों के अवैध उत्खनन में शामिल 03 वाहनों को जब्त किया

अवंतीपोरा, 8 अक्टूबर (हि.स.)। अवैध खनन के विरुद्ध अपने जारी अभियान के तहत, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने वुयुन खेव में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन में प्रयुक्त 03 वाहनों को जब्त किया।

खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन में शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए खेव पुलिस स्टेशन के एसएचओ के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने जेके 19-9468, जे के13बी-9154 और जेके 15बी-0013 पंजीकरण संख्या वाले तीन वाहनों को जब्त किया। तदनुसार, धारा 303(2), 223 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत एफआईआर ख्या 76/2025 के तहत मामला खेव पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है और आगे की जाँच शुरू कर दी गई है।

दूसरा निर्यात जागरूकता सह ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग अभियान आयोजित किया

जम्मू, 8 अक्टूबर (हि.स.)। 2025 के लिए निर्यात जागरूकता कार्यशालाओं की अपनी श्रृंखला को जारी रखते हुए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में जम्मू और कश्मीर व्यापार संवर्धन संगठन (जेकेटीपीओ) ने आज जम्मू जिले में दूसरा निर्यात जागरूकता सह ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग अभियान आयोजित किया। यह कार्यशाला जम्मू जिला प्रशासन और डीपीआईआईटी की ओडीओपी टीम के सहयोग से जेकेटीपीओ के प्रबंध निदेशक सुदर्शन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय उत्पादकों, एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों को निर्यात और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुँचने के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान और उपकरण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, जम्मू के हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग के निदेशक मोहम्मद नज़ीर शेख के स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार संबंधों का पता लगाने में सक्षम बनाने में ऐसी कार्यशालाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जम्मू के पारंपरिक उद्योगों में बदलाव लाने और एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) - ज़िला एक निर्यात केंद्र पहल के तहत क्षेत्र-विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने में निर्यात जागरूकता की भूमिका पर ज़ोर दिया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में मॉडर्न पब्लिक सेकेंडरी स्कूल सीर बलाह के विद्यार्थियों ने हासिल किया बेहतर स्थान

आरएस पुरा, 8 अक्टूबर (हि.स.)। आर्मी पब्लिक स्कूल मीरा साहिब में भारतीय सेना की तरफ से करवाई गई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में मॉडर्न पब्लिक सेकेंडरी स्कूल सीर बलाह आरएस पुरा के विद्यार्थियों ने बेहतर स्थान हासिल कर स्कूल तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया।

बताते चलें कि इस पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और विद्यार्थियों को भारतीय सुरक्षा बलों के सम्मान में पोस्टर मेकिंग करने थे जिस पर स्कूल की छात्रा गहरा चौधरी तथा मानवीय चौधरी ने बेहतर पोस्टर बनाते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अलावा स्कूल के अन्य विद्यार्थियों ने भी बेहतर पोस्टर बनाकर भारतीय सुरक्षा बलों का सम्मान किया।

वहीं स्कूल प्रबंधन की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन कर बेहतर स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य रशपाल चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मानित समारोह के दौरान स्कूल स्टाफ के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को अपनी तरफ से शुभकामनाएं दी और बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय सेना की तरफ से किया गया था

अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ प्रशासन ने की कार्रवाई

आरएस पुरा, 8 अक्टूबर (हि.स.)। प्रशासन की तरफ से आज आरएस पुरा कस्बे में विशेष अतिक्रमण विरोधी अभियान चला कर दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि वह दुकानों के भीतर ही अपना सामान रखें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मुख्य बाजार में आने वाले वाहन चालकों के लिए भी नियम जारी किए गए।

एसडीएम आरएस पुरा अनुराधा ठाकुर की देखरेख में चलाए गए इस अभियान के दौरान पुलिस तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। बताते चलें कि त्योहारों को लेकर मौजूदा समय में बाजार में काफी भीड़ देखने को मिल रही है और जाम की स्थिति बनी हुई है

जिसके चलते आज एसडीएम आरएस पुरा अनुराधा ठाकुर ने खुद मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और अतिक्रमण हटाने हेतु दुकानदारों को चेतावनी दी।

इसके अलावा बाजार में आने वाले वाहन चालकों से भी उन्होंने अपील करते हुए कहा कि वह अपने वाहनों को सड़क के बीचो-बीच खड़ा ना करें क्योंकि इससे जाम लगने की स्थिति बन जाती है जिस कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ऑल डेली वेजर्स संघर्ष समिति का प्रदर्शन

जम्मू, 8 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू में आज ऑल डेली वेजर्स जम्मू-कश्मीर संघर्ष समिति ने एक विशाल प्रदर्शन आयोजित किया। यह प्रदर्शन डोगरा चौक जवाहरनगर स्थित प्रेस क्लब के बाहर किया गया, जिसमें मिड-डे मील कुक, सीपीडब्ल्यू वर्कर, लैंड डोनर, आशा वर्कर, माली-कम-चौकीदार, होमगार्ड, एसपीओ, एसवीडीजी वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर, आईटीआई, पीएचई, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने न्यूनतम वेतन अधिनियम के लागू होने, नियमितीकरण, मजदूरी बढ़ाने तथा लंबित भूमि मुआवजे की अदायगी जैसी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन देने के बावजूद उनकी मांगों को नज़रअंदाज़ कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कठुआ में अंडर-14 बालिकाओं के लिए खो-खो टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

कठुआ, 08 अक्टूबर (हि.स.)। युवा सेवा एवं खेल विभाग कठुआ द्वारा आयोजित टूर्नामेंटों की श्रृंखला के तीसरे और अंतिम चरण में अंडर-14 बालिकाओं के लिए अंतर-जिला संभाग स्तरीय खो-खो टूर्नामेंट बुधवार को कठुआ में शुरू हुई।

गौरतलब हो कि बीते 4 अक्टूबर को अंडर-17 वर्ग के साथ शुरू हुआ यह टूर्नामेंट अब विभिन्न जिलों की अंडर-14 टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है। पहले मैच में पुंछ जिले ने रियासी जिले को एक पारी और 5 अंकों से हराकर शानदार जीत हासिल की। दूसरे मैच में जम्मू जिले ने रामबन जिले को एक पारी और 8 अंकों से हराया जबकि तीसरे मुकाबले में उधमपुर जिले ने सांबा जिले को एक पारी और 2 अंकों से हराया।

इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवा लड़कियों के बीच खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना और जमीनी स्तर पर टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देना है।

शीतल नंदा ने वन क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 8 अक्टूबर (हि.स.)। वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण आयुक्त सचिव शीतल नंदा ने आज केंद्र शासित प्रदेश में वन एवं संबद्ध क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में पूंजीगत व्यय प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण केंद्र प्रायोजित योजनाओं और हरित भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

विस्तृत समीक्षा के दौरान, विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए जिलावार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियों सहित कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, केंद्र प्रायोजित योजनाओं/केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त धनराशि, व्यय और प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाणपत्रों पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत वार्षिक परिचालन योजना (एपीओ) और प्राप्त धनराशि की समीक्षा की, साथ ही यूटी कैपेक्स बजट (2025-26) के अंतर्गत कार्य-वार भौतिक और वित्तीय प्रगति की भी समीक्षा की। वर्ष 2025-26 के लिए बजट घोषणाओं की अद्यतन प्रगति पर भी चर्चा की गई। राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की नवीनतम स्थिति की भी समीक्षा की गई।

आयुक्त सचिव ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया कि सभी योजनाओं, विशेष रूप से केंद्र प्रायोजित योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी ईमानदारी से किया जाए।

उन्होंने जिलों में वृक्षारोपण अभियान को तेज करने और विशेष रूप से कैपेक्स बजट के अंतर्गत वित्तीय बुकिंग में तेजी लाने पर जोर दिया।

आयुक्त सचिव ने सभी विभागीय परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन और गुणवत्तापूर्ण वितरण के लिए सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने वन विभाग के अंतर्गत विभिन्न विभागों को निर्देश दिया कि वे दिसंबर 2025 तक बुनियादी ढांचे के उन्नयन, वनरोपण और अन्य संरक्षण प्रयासों सहित सभी नियोजित कार्यों का कम से कम 70त्न पूरा करना सुनिश्चित करें।

आयुक्त सचिव ने निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश के समशीतोष्ण क्षेत्रों में शीतकालीन वृक्षारोपण गतिविधियाँ तुरंत शुरू

पुलिस ने अनंतनाग में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत चिकित्सा शिविर आयोजित किए

अनंतनाग, 8 अक्टूबर (हि.स.)। सामुदायिक कल्याण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अपने नागरिक कार्य कार्यक्रम के तहत नशा मुक्त भारत अभियान के तहत खेरीबल मट्टन और पहलगाम में दो निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए।

ये चिकित्सा शिविर स्थानीय लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के साथ-साथ नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लगाए गए थे। योग्य डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम ने दोनों स्थानों पर सैकड़ों लाभार्थियों को निःशुल्क परामर्श, निदान और आवश्यक दवाओं का वितरण किया।

वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों सहित स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों के बारे में शिक्षित करने और एक स्वस्थ एवं उत्पादक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए।

ज़िले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और समाज से नशीली दवाओं के ख़तरे को मिटाने के लिए समुदाय के साथ मिलकर काम करने की पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

डीसी कठुआ ने मिशन युवा पहल के तहत महत्वाकांक्षी उद्यमियों को 55 स्वीकृति पत्र सौंपे

कठुआ, 08 अक्टूबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को मिशन युवा पहल के तहत जिले के महत्वाकांक्षी उद्यमियों को 55 नए स्वीकृति पत्र सौंपे जिससे युवाओं को अपना व्यवसाय स्थापित करने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी।

यह समारोह हटली मोड़ के पास स्थित जेएंडके बैंक के क्षेत्रीय मुख्यालय में आयोजित किया गया, जहाँ लाभार्थियों को संस्थागत सहयोग से अपने उद्यम शुरू करने के लिए स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए उपायुक्त ने युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए ऋण लिंकेज की सुविधा प्रदान करने में जिला प्रशासन और जेएंडके बैंक के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मिशन युवा युवाओं की क्षमता को उत्पादक आजीविका की ओर मोड़ने और स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उपायुक्त ने लाभार्थियों से बातचीत भी की और उन्हें अपने उद्यमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए समर्पण और नवाचार के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने में जिला प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कठुआ के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा, प्रभाग प्रमुख क्षेत्रीय प्रमुख और डीजीएम के अलावा जेएंडके बैंक और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी भी उपस्थित थे।

सेना ने पुंछ के खानेतर में चिकित्सा गश्ती आयोजित की

पुंछ, 8 अक्टूबर (हि.स.)। दूरस्थ समुदायों की सहायता के अपने निरंतर प्रयासों के तहत भारतीय सेना ने पुंछ के खानेतर क्षेत्र में एक व्यापक चिकित्सा गश्ती सफलतापूर्वक आयोजित की जिसमें गुज्जर और बक्करवाल आबादी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

इस पहल का उद्देश्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्रों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान करना था। यह पहल दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के भारतीय सेना के व्यापक मिशन का एक प्रमुख घटक है। भौगोलिक रूप से अलग-थलग पड़े गाँवों की ज़रूरतों को पूरा करके भारतीय सेना यह सुनिश्चित करती है कि सबसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों को भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच प्राप्त हो जो जन कल्याण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

चिकित्सा गश्ती का प्राथमिक उद्देश्य नियमित स्वास्थ्य जाँच, सामान्य बीमारियों के उपचार और आवश्यक दवाओं के वितरण सहित तत्काल चिकित्सा सेवा प्रदान करना था। इसके अतिरिक्त भारतीय सेना की चिकित्सा टीम ने टीकाकरण और स्वच्छता, पोषण और रोग निवारण पर जागरूकता सत्र जैसी निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कीं। इस पहल को गुज्जर और बक्करवाल समुदायों से भारी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

सतीश शर्मा ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में कनेक्टेड और साइबर-सुरक्षित जम्मू और कश्मीर के लिए विजन का अनावरण किया

नई दिल्ली 08 अक्टूबर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक नए डिजिटल सवेरे का साक्षी बन रहा है, जहाँ तकनीक प्रत्येक नागरिक को सशक्त बना रही है, सुशासन में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है और डिजिटल भविष्य को सुरक्षित कर रही है।

मंत्री सतीश शर्मा ने यह बात इंडिया मोबाइल कांग्रेस और राज्य आईटी मंत्रियों के राउंड टेबल सम्मेलन में कही, जिसका उद्घाटन केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया।

मंत्री शर्मा ने कहा कि चल रही पहलें केवल दूरसंचार अवसंरचना के विस्तार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक समावेशी, जुड़ा हुआ और सुरक्षित जम्मू-कश्मीर बनाने के लिए हैं। संशोधित भारतनेट परियोजना के तहत डिजिटल रूपांतरण को रेखांकित करते हुए, मंत्री ने बताया कि 4,299 ग्राम पंचायतों और 2,574 गांवों को जोड़ने के लिए हाई-स्पीड ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ग्रामीण क्षेत्रों में 2,234 सरकारी स्कूलों और 1,138 सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों तक फाइबर-टू-होम कनेक्शन विस्तार करेगा, जिससे ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सतीश शर्मा ने बताया कि दूरदराज़ और सीमावर्ती क्षेत्रों में डिजिटल अलगाव को समाप्त करने के लिए नए मोबाइल टावर भी लगाए जा रहे हैं। प्रमुख शहरी केंद्रों में 5जी रोलआउट की तैयारियाँ चल रही हैं, जो उद्यमिता, नवाचार और स्मार्ट शासन को गति देगा। सरकार की डिजिटल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए, मंत्री ने कहा, जब हम हर घर को जोड़ रहे हैं, तब हमें हर डेटा बाइट और हर नागरिक के विश्वास को भी सुरक्षित करना होगा। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर की साइबर सुरक्षा नीति 2022, जो डमपजल और गृह मंत्रालय के सहयोग से विकसित की गई है, साइबर प्रतिरोधक क्षमता के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करती है

संपादकीय

जवाबदेही तय करें

यह वाकई हैरान करने वाली बात है कि दुनिया भर में सबसे बड़े दवा आपूर्तिकर्ताओं में से एक होने का दावा करने वाला देश, स्थानीय खपत के लिए निर्मित दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित तौर पर जेनेरिक कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की हालिया रिपोर्टों ने एक बार फिर भारत में उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालाँकि इस मामले की जाँच जारी है, लेकिन प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि जवाबदेही में खामियाँ थीं, जिन्हें जल्द से जल्द दूर करने की ज़रूरत है, वरना ऐसी त्रासदियाँ आम बात हो जाएँगी, जो कि नहीं होनी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार के शीर्ष अधिकारी त्रासदियों के बाद ही सक्रिय हुए, जैसा कि पहले भी देखा गया था जब विदेशों में घटिया दवाओं के सेवन से बच्चों की मौत के बाद कुछ भारतीय दवा कंपनियों पर आरोप लगे थे। कथित तौर पर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में कथित तौर पर दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की हालिया मौतों के बाद, केंद्रीय औषधि नियामक, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया है। 19 नमूने एकत्र किए गए हैं, जिनमें कफ सिरप, ज्वरनाशक और एंटीबायोटिक्स शामिल हैं। यह आवश्यक है कि देश भर में दवाओं की निर्माण इकाइयों पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की ढिलाई की कोई गुंजाइश न हो, क्योंकि कोई भी कमी घातक साबित हो सकती है, जैसा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में देखा गया। ऐसे में, यह आवश्यक है कि इस त्रासदी के लिए ज़िम्मेदार लोगों के साथ कानून के तहत सख्ती से निपटा जाए ताकि एक मिसाल कायम हो और दूसरों को लापरवाही बरतने से रोका जा सके। कुल मिलाकर, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसी त्रासदियों को रोका जाए क्योंकि त्रासदियों के बाद जवाबदेही तय करने का कोई मतलब नहीं है। ज़िम्मेदारी की ऐसी संस्कृति का निर्माण करना जो ऐसी घटनाओं को शुरू में ही रोक दे, समय की मांग है और इसलिए हितधारकों को ऐसी व्यवस्था विकसित करने के लिए काम करना चाहिए। दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए क्योंकि मानक से समझौता विनाशकारी साबित हो सकता है, जैसा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों में उपरोक्त मामलों में देखा गया है।

जीएसटी 2.0 – भारत के वस्त्र क्षेत्र के सपनों को वास्तविकता में बदलने के लिए परिवर्तन का एक सूत्र

श्री गिरिराज सिंह
भारत के कपड़ा मंत्री

1 जुलाई, 2017को भारत में दशकों का सबसे साहसिक आर्थिक सुधार हुआ। मानसून कीउस एक सुबह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक एकीकृत ढांचे के साथ बदल दिया, जिससे मूल रूप से देश की राजकोषीय संरचना को नया आकार मिला। यह केवल एक कर सुधार नहीं था, यह एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की ओर भारत की साहसिक यात्रा की शुरुआत थी।

आठ साल बाद अब यह परिवर्तन किसी असाधारण घटना से कम नहीं लगता है।

कर संग्रह 2017-2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024-2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ तीन गुना हो गया है। इसके साथ ही करदाताओं का आधार 65 लाख से दोगुना होकर 1.5 करोड़ हो गया है, जिससे लाखों लघु उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल किया जा सका है। इस आधार पर आगे बढ़ते हुए, भारत ने अब 22 सितंबर, 2025से अगली पीढ़ी के जीएसटी युग में प्रवेश कर लिया है, जिसमें इस प्रणाली को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में सुव्यवस्थित कर दिया गया है, साथ ही इसमें 40 प्रतिशत की स्लैब लग्जरी और डिमेरिट वस्तुओं के लिए रखी गई है।

घरों में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, दवाओं और शिक्षा सामग्री की आपूर्ति पर 0 से 5 प्रतिशत के बीच कर लगने से परिवारों को अधिक बचत होगी, जबकि किसानों को ट्रैक्टरों, टायरों, कीटनाशकों और सिंचाई उपकरणों पर कम जीएसटी लगने से अधिक लाभ प्राप्त होगा जिससे इनपुट लागत में कमी आएगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही ऑटो सेक्टर को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि स्कूटर और कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। अब 2,500 रुपये तक की कीमत वाले (पहले 1,000 रुपये) रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मैंने एक कॉलेज छात्र से बातचीत की और जब उससे कपड़ों के बारे में पूछा तो उसने कहा, अब त्योहारों की खरीदारी ने मेरी जेब पर पड़ने वाले बोझ को बहुत कम कर दिया है। अब उसी बजट से मैंने एक की बजाय दो ट्रेंडी शर्ट खरीदीं हैं। मुझे जीएसटी स्लैब के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अब कपड़े खरीदना अधिक सस्ता हो गया है। इसके विपरीत, पान मसाला, तंबाकू, ऑनलाइन गेम्स, लग्जरी एसयूवी और कैसिनो जैसे लग्जरी और डिमेरिट सामान अब 40 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आते हैं। इस सुधार ने फिट इंडिया,हेल्दी इंडियाके प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उत्तरदायी उपभोग को बढ़ावा दिया है, जो बचत का एक वास्तविक स्वरूप है।

और जैसे इन सुधारों से परिवारों, किसानों और उद्योगों को राहत मिलती है, वैसे ही ये हमारे वस्त्र क्षेत्र को भी नई ताकत देते हैं। जीएसटी 2.0वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है और आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत उदाहरण है।जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नईऊर्जाप्रदान कर रहा है भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है।आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नए अवसर पैदा होंगे।भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60 प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लाएंगे। निम्न आय समूहों के साथ मिलकर, स्थानीय उद्योग को समर्थन देते हुए आवश्यक वस्त्रों के अधिक किफायती बनने से हर साल लगभग 8 से 10बिलियन डॉलर की बचत होने का अनुमान है। ये सुधार कीमतों को कम करने से कहीं बढ़ कर है और यह सही मायनों में फैशन को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रतिनिधित्व करता है।वस्त्र क्षेत्र के लिए जीएसटी 2.0 के सबसे बड़े बदलावों में से एक लंबे समय से चले आ रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है, जिसने मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को कमजोर कर दिया था। इससे पहले, मानव निर्मित रेशों पर 18 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत कर लगाया जाता था। इस संरचना ने कचे माल को तैयार उत्पादों की तुलना में महंगा बना दिया, जिससे कार्यशील पूंजी अवरुद्ध हो गई और नया निवेश बाधित हुआ। जीएसटी 2.0 में अब मानव निर्मित क्षेत्र में एक समान 5 प्रतिशत कर है, जो सही अर्थों में फाइबर तटस्थ इकोसिस्टम सृजित कर रहा है। लाखों एमएसएमई के लिए, जो भारत के वस्त्र उद्योग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह एक बड़ी राहतहै। यह मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है और प्रतिवर्ष उत्पादित 22,000 मिलियन परिधानों को कम इनपुट लागत, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और अधिक बाजार मांग के साथ निर्मित करने में सक्षम बनाता है। यह सुधार न केवल कपड़ों को सस्ता बनाएगा और निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी मजबूत करेगा, जो हमारी विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाएगा।एक उदाहरण से इसे समझते हैं। इससे पहले सूरत में महिलाओं की सिलाई इकाई में मानव निर्मित फाइबर और धागे की लागत इतनी अधिक थी कि उनका लाभ मार्जिन कम हो जाता था और ऑर्डर अक्सर विदेशों में चले जाते थे। अब, जीएसटी 2.0 द्वारा करों को घटाकर एक समान 5 प्रतिशत करने के साथ, उनकी निवेश लागत कम हो गई है, वे अधिक ऑर्डर प्राप्त कर सकते हैं, उचित मजदूरी का भुगतान कर सकते हैं और यहां तक कि अपने व्यवसाय का विस्तार भी कर सकते हैं। इस तरह एक राष्ट्रीय सुधार सीधे आम श्रमिकों और परिवारों के जीवन को प्रभावित करता है।यह लाभ यहीं खत्म नहीं होते। वाणिज्यिक माल वाहनों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत तथा लॉजिस्टिक्स सेवाओं पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला में परिवहन लागत कम हो जाती है। यह सीधे तौर पर पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का सहयोग करता है और साथ ही वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्त्र निर्यात को मजबूत बनाता है। जीएसटी 2.0के सुधार एक साथ मिलकर वस्त्र मूल्य श्रृंखला के हर चरण को सशक्त बनाते हैं जैसे फाइबर बनाने से लेकर तैयार परिधान और विदेशी बाजार भेजने तक। इससे देश भर में विकास और रोजगार का सृजन होता है।आम जनता पर प्रभाव - अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार हर जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं

जीएसटी 2.0 का आर्थिक प्रभाव आम परिवारों के रोजमर्रा के जीवन में महसूस किया जा रहा है।उद्योग जगत का अनुमान है कि इससे प्रत्यक्ष उपभोग में लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी, तथा दरों में कमी के कारण परिवारों को प्रतिवर्ष लगभग 48,000 करोड़ रुपये की बचत होगी।इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, 2014 में यूपीए सरकार के तहत, दैनिक जरूरतों पर प्रति वर्ष 1 लाख रुपये खर्च करने वाले एक परिवार ने लगभग 25,000 रुपये कर का भुगतान किया था। जीएसटी और जीएसटी 2.0के बाद आज वही परिवार लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये का कर भुगतान करता है।यानी हर साल लगभग 20,000 रुपये की बचत होती है और यह पैसा बचों की शिक्षा, बेहतर पोषण और परिवार के कल्याण के लिए वापस परिवार के पास जाता है। आयकर छूट के साथ मिलकर सभी भारतीय परिवारों के प्रतिवर्ष लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है।छोटे शहरों और गांवों में इसका प्रभाव और भी अधिक महत्वपूर्ण है, जहां भारत की लगभग 63 प्रतिशत आबादी रहती है। बेगूसराय में बाजारों की अपनी हाल के दिनों की यात्रा के दौरान, मैंने जीएसटी सुधारों के सकारात्मक प्रभावको देखा। खुदरा विक्रेताओं ने कम दरों को ले कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और ग्राहकों में इन सुधारों को ले कर उत्साह साफ झलक रहा था, क्योंकि त्योहारों के इस मौसम में खरीदारी करने के लिए ग्राहक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। बाजारों में ग्राहकों की बढ़ती भीड़ से स्पष्ट है कि ये सुधार किस प्रकार एक जीवंत और सकारात्मक आर्थिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं, जो परिवारों और व्यवसायों दोनों के लिए वास्तविक लाभ है।

मासिक जीएसटी संग्रह जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1.85 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया था, अब लगातार 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। इन सुधारों से न केवल नागरिकों पर वित्तीय बोझ कम हो रहा है, तथा इन कम दरों पर भी राजस्व में वृद्धि जारी रहेगी। यह एक दुर्लभ अवसर है, जहां सुधार जन-केंद्रित और वित्तीय रूप से सुदृढ़ हैं, जो परिवारों को मजबूत बनाते हुए भारत के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं।सामाजिक संरचना - अर्थशास्त्र से आगे सशक्तिकरण तक

जीएसटी 2.0 के वस्त्र क्षेत्र के सुधार सिर्फ आर्थिक परिवर्तन से कहीं अधिक हैं, वे समावेशी विकास के बारे में हैं, जिनका सीधा प्रभाव पूरे भारत के 65 लाख बुनकरों और कारीगरों पर पड़ रहा है।इससे न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलती है बल्कि इस क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिलाओं की आजीविका को भी सहारा मिलता है। हथकरघा, हस्तशिल्प और कालीन पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से यह पारंपरिक उत्पाद अब भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। साथ ही,सिलाई मशीनों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना भारत के महिला प्रधान वस्त्र क्षेत्र को प्रत्यक्ष प्रोत्साहन दे रहा है। पिछले दशक में ग्रामीण आय और व्यय दोगुना से अधिक हो गया है, जो 2011-12 के 1,430 रुपये प्रति माह से बढ़कर 2023-24 में 4,122 रुपये हो गया है। जीएसटी 2.0 के साथ, इस बढ़ती क्रय शक्ति से सीधे भारतीय निर्मित कपड़ों की मांग तेज होगी, जिससे बुनकरों, दर्जनों और परिधान कामगारों के लिए अधिक कार्य सृजित होंगे और इससे विकास का एक चक्र उत्पन्न होगा जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित होगा।हाल ही में एक कार्यक्रम में, मेरी मुलाकात कई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) दीदियों से हुई, जिन्होंने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने पहले उन्हें लखपति दीदी बनाकर उन्हें सशक्त बनाया और अब जीएसटी सुधारों के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को अधिक किफायती बनाकर तथा आयकर सुधारों के माध्यम से उनके कर के बोझ को कम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दिवाली उनके परिवारों के लिए अधिक उपहार और आनंदमय उत्सव के साथ वास्तविक खुशी ले कर आई है। ये सुधार अर्थव्यवस्था को तेज गति दे रहे हैं, आय बढ़ा रहे हैं और कर का बोझ कम कर रहे हैं।ऐसे समय में जब भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहा हैतबहथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र,हमारी स्वयं सहायता समूह दीदियों के साथ मिलकर वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी आंदोलन की आत्मा के रूप में खड़ा है। हमारे कारीगर और बुनकर केवल इन परंपराओं को संरक्षित ही नहीं कर रहे हैं बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की ओर देश की यात्रा का वास्तविक आधार भी हैं।

जीएसटी 2.0 और विकसित भारत 2047 की राहजैसे-जैसे भारत अमृतकाल में प्रवेश करते हुए 2047 की तरफ आगे बढ़ रहा है, जीएसटी 2.0 केवल कर सुधार के रूप में ही नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए विकास की रणनीति के रूप में भी हमारे सामने खड़ा है। टैक्स स्लैब को सरल बना कर, आम जन के पारिवारिक खर्चों को कम करके,किसानों को सशक्त बनाकर, एमएसएमई को सहायता प्रदान करके और वस्त्र जैसे श्रम-गहन उद्योगों को पुनर्जीवित करने से ले कर यह जीवन की सुगमता और व्यापार करने में आसानी दोनों को मजबूत करता है। फाइबर-न्यूट्रल जीएसटी विशेष रूप से परिवर्तनकारी है, जो मानव निर्मित और प्राकृतिक वस्त्रों में नई वृद्धि को बढ़ावा देगा, इसके साथ ही भारत को वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने, लाखों नए रोजगार सृजित करने और परिधान तथा घरेलू साज-सजा के क्षेत्र में एक सचे वैश्विक अग्रज के रूप में उभरने में सक्षम बनाएगा।

जैसा कि जीएसटी 2.0 इस नवरात्रि में लागू हो गया है, यह परिवारों के लिए बचत,किसानों के लिए राहत, व्यवसायों में वृद्धि और श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है। यह प्रत्येक भारतीय के लिए दिवाली से पहले मिला एक वास्तविक उपहार है। संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला की ओर से, मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरलता, निष्पक्षता और विकास की ओर ले जाने में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। जीएसटी 2.0 हमारी सुधार यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और यह वर्ष 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होने का रोडमैप निर्धारित करता है।

'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें

- योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से 01 से 07 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है।

दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल, स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से 01 से 07 सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है।पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है।

अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्ट फूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा।

हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं, तब उसे सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है लेकिन जब पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते या उनके बीच में असंतुलन होता है तो वह कुपोषण कहलाता है यानी अधिक पोषण या कम पोषण दोनों को ही कुपोषण कहा जाता है। कम पोषण का अर्थ है आहार में किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों की कमी और अधिक पोषण का अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता।

शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक हैं, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए। पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड के बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एशेज सीरीज से बाहर हो सकते हैं पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ को मिल सकती है कप्तानी

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम को एशेज सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस के सीरीज से बाहर रहने की संभावना है। कमिंस की कमर की स्ट्रेस इंजरी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है, जिसके चलते वे न केवल शुरुआती मैच, बल्कि संभवतः पूरी सीरीज़ से भी बाहर रह सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई अखबार सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार ताज़ा स्कैन में यह सामने आया है कि 32 वर्षीय कमिंस की चोट में सुधार तो हुआ है, लेकिन वह गेंदबाजी शुरू करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ 21 नवंबर से शुरू होने वाली एशेज सीरीज़ के शुरुआती मैचों में उनकी अनुपस्थिति तय मानी जा रही है। कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ को कप्तानी सौंपी जा सकती है। कमिंस ने आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 की टेस्ट सीरीज़ में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज़ में नहीं खेले और भारत के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज़ से भी बाहर रहेंगे। उनकी जगह तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किए जाने की संभावना है, जो मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ तीसरे पेसर के रूप में खेल सकते हैं ऑस्ट्रेलिया 2018 से एशेज की ट्रॉफी अपने पास रखे हुए है, जबकि इंग्लैंड को 2011 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई ज़मीन पर कोई टेस्ट जीत नहीं मिली है। इस बार इंग्लैंड की नज़र सूखे को खत्म कर जीत दर्ज करने पर होगी।

पीकेएल-12: रेड मशीन अर्जुन देसवाल की बदौलत तमिल थलाइवाज ने पटना पाइरेट्स को बड़े अंतर से हराया

चेन्नई। रेड मशीन नाम से मशहूर अर्जुन देसवाल (26) के दमदार प्रदर्शन के दम पर मेजबान तमिल थलाइवाज ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मंगलवार खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 69वें मैच में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 56-36 के अंतर से हरा दिया। यह अपने घर में थलाइवाज का अंतिम मैच था। किसी एक मैच में अपने करियर का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले देसवाल के अलावा नरेंदर कंडोला (6) ने उनका अच्छा साथ दिया जबकि डिफेंस में आशीष और नितेश ने पांच-पांच शिकार किए। पटना के लिए अंकित (14) और अयान (16) ने शानदार रेडिंग की लेकिन डिफेंस ने पटना को एक और हार को मजबूर किया। थलाइवाज की 13 मैचों में यह छठी जीत है जबकि पटना को 11 मैचों में आठवीं हार मिली है। शुरुआती 10 मिनट में पटना 13-10 से आगे थे। उसने अयान की बदौलत थलाइवाज को एक बार आलआउट किया लेकिन आलआउट बचाने के प्रयास में थलाइवाज ने दो बार मल्टीप्वाइंट लेकर खुद को बड़े अंतर से पिछड़ने से बचाया। अयान ने शुरुआती 10 मिनट में 9 अंक बटोरे और सिर्फ एक बार आउट हुए जबकि तलाइवाज ने देसवाल के पांच अंकों की बदौलत खुद को मैच में बनाए रखा। ब्रेक के बाद थलाइवाज ने डिफेंस में अपना तीसरा शिकार किया जबकि देसवाल ने तीन टच प्वाइंट के साथ न सिर्फ अपनी टीम को 15-14 से आगे कर दिया बल्कि थलाइवाज ने अगले ही पल आलआउट लेकर चार अंक की लीड ले ली। थलाइवाज ने अपना दबदबा जारी रखा और जल्द ही अपनी लीड 6 की कर ली।

एथेंस में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप शॉटगन 2025 के लिए भारत तैयार, 12 सदस्यीय दल करेगा चुनौती पेश

नई दिल्ली। ग्रीस की राजधानी एथेंस में 8 से 19 अक्टूबर तक होने जा रही आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप शॉटगन 2025 के लिए भारत ने पूरी तैयारी कर ली है। मालाकासा शूटिंग रेंज में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शॉटगन निशानेबाज पदक के लिए मुकाबला करेंगे।इस चैंपियनशिप में कुल पांच ओलंपिक स्पर्धाएँ पुरुष और महिला ट्रैप, पुरुष और महिला स्कीट, तथा ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट शामिल हैं। प्रतियोगिता की शुरुआत 10 अक्टूबर 2025 से होगी। कुल 68 देशों के 406 खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें छह मौजूदा ओलंपिक पदक विजेता भी शामिल हैं। भारत ने 12 सदस्यीय दल भेजा है, जिसमें एशियाई चैम्पियंस अनंतजीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) और नीरू धांडा (महिला ट्रैप) प्रमुख नाम हैं। इनके अलावा हाल ही में शिमकेंट एशियन चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले भावनीश मेन्दिरत्ता (पुरुष ट्रैप) और आशिमा अहलावत (महिला ट्रैप) भी टीम में शामिल हैं। अनुभवी निशानेबाज़ ज़ोरावर सिंह संधू और मेराज अहमद खान इस दल की मजबूती बढ़ाएंगे।

टेम्बा बावुमा का बड़ा मिशनः केन विलियमसन से सीखकर भारत को हराने की तैयारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा भारत दौरे से पहले गंभीर तैयारी में जुट गए हैं। अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए वे न्यूज़ीलैंड की 2024 की ऐतिहासिक जीत से प्रेरणा ले रहे हैं। बावुमा ने कहा कि वह भारत में सफलता के गुर सीखने के लिए केन विलियमसन से सलाह लेना चाहेंगे। बावुमा ने माना कि भारत जैसी मजबूत टीम को उसके घरेलू मैदान पर हराना बेहद मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि न्यूज़ीलैंड ने भारत में जो प्रदर्शन किया, वह सभी विदेशी टीमों के लिए प्रेरणादायक है। कप्तान का मानना है कि सही रणनीति और आत्मविश्वास के साथ दक्षिण अफ्रीका भी बड़ा कारनामा कर सकता है।बावुमा ने खुलासा किया कि वह व्यक्तिगत तौर पर विलियमसन से बातचीत करेंगे ताकि भारत में खेलने की परिस्थितियों को बेहतर समझ सकें। उन्होंने कहा, भारत में पिचें, मौसम और दबाव अलग होते हैं। केन ने जिस तरह अपनी टीम को सफलता दिलाई, वह काबिले तारीफ़ है। उनसे सीखने का यह सही मौका है।

भारत ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप से पाया वैश्विक गौरव, खिलाड़ियों ने की जमकर तारीफ

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल न्यू दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप शानदार अंदाज़ में संपन्न हुई। 100 से अधिक देशों के 2200 से ज्यादा खिलाड़ियों की भागीदारी वाले इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 पदक (6 स्वर्ण, 9 रजत, 7 कांस्य) जीते। यह पहली बार था जब भारत ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेज़बानी की, और आयोजन की गुणवत्ता ने दुनिया को प्रभावित किया।

खेल जगत के दिग्गजों और अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट्स ने माना कि इस आयोजन ने भारत की छवि को ÷नई ऊँचाई÷ पर पहुँचा दिया है। मशहूर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, जिसने 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स की भी मेज़बानी की थी, अब एक बार फिर भारत की आयोजन क्षमता का प्रतीक बन गया। नीदरलैंड्स की फ्लयोर जोंग–छह बार की विश्व चैंपियन और पैरालंपिक पदक विजेता–ने लंबी कूद और 100 मीटर टी64 वर्ग में दो स्वर्ण जीतते हुए कहा, भारत में मेरा अनुभव शानदार रहा। यहाँ की

मेहमाननवाज़ी और आयोजन विश्वस्तरीय थे। भारत की पैरा खेल आइकन दीपा मलिक ने कहा, यह देश में पैरा स्पोर्ट्स का सबसे बड़ा उत्सव था। भारत अब न केवल आयोजन के स्तर पर, बल्कि सोच के स्तर पर भी समावेशी बन चुका है। हम 2036 के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पैरा कोच अमित सरोहा ने इस आयोजन को भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय इवेंट बताया और कहा कि देश अब पैरालंपिक गेम्स की मेज़बानी के लिए सक्षम है। तीन बार के विश्व चैंपियन सुमित अंतिल ने कहा कि टीओपीएस योजना ने भारतीय पैरा एथलीट्स के प्रदर्शन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। जर्मनी के मार्कस रेम, कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट और अमेरिका के डेरेक लोसीडेंट ने भी भारतीय मेज़बानों की प्रशंसा करते हुए आयोजन को अविस्मरणीय अनुभव बताया। भारत अब कतर, यूएई और जापान के बाद चौथा एशियाई देश बन गया है जिसने इस प्रतिष्ठित चैम्पियनशिप की मेज़बानी की। इस आयोजन ने न केवल भारत की खेल-आयोजन क्षमता को वैश्विक मंच पर मजबूत किया है, बल्कि देश को पैरा स्पोर्ट्स में एक नई पहचान भी दिलाई है।

न्यूयॉर्क ओपन स्क्वैशः अंतिम 16 से बाहर हुए सेंथिलकुमार, वीर चौत्राणी और रमित टंडन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में आयोजित ओपन स्क्वैश क्लासिक (यूएसडी 74,000 पीएसए ब्रॉन्ज इवेंट) के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में भारत के तीनों खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चौत्राणी और रमित टंडन सोमवार को हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। राष्ट्रीय चैम्पियन और विश्व नंबर 45 वेलावन सेंथिलकुमार को चौथी वरीयता प्राप्त मेक्सिको के लियोनेल कार्देनास ने 11-7, 11-6, 11-4 के अंतर से पराजित किया। आठवीं वरीयता प्राप्त रमित टंडन को ब्रिटेन के एड्रियन वॉलर ने कड़े मुकाबले में 6-11, 11-9, 11-8, 8-11, 11-7 से मात दी। वीर चौत्राणी को फ्रांस के दूसरे वरीय खिलाड़ी विक्टर क्रूइन ने 11-1, 11-8, 11-5 से हराया। इस तरह तीनों भारतीय खिलाड़ियों का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया।

सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय हॉकी चैंपियनशिपः महालेखाकार, एफसीआई, पीएसपीबी और एसएससीबी सेमीफाइनल में

एजेंसी

जमशेदपुर। 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के सातवें दिन रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें महालेखाकार, भारतीय खाद्य निगम, पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड और सेवाएं खेल नियंत्रण बोर्ड ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। सभी मुकाबले नेवल टाटा हॉकी अकादमी आईएसडब्ल्यूपी ग्राउंड, जमशेदपुर (झारखंड) में खेले गए। अब 9 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में महालेखाकार (सीएजी) का सामना भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से होगा, जबकि पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड का मुकाबला सेवाएं खेल नियंत्रण बोर्ड से होगा। पहले क्वार्टर फाइनल में महालेखाकार ने अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड को 4-2 से हराया। त्रिशूल गणपति (20', 47') और आमिद सफराज खानपठान (29', 41') ने दो-दो गोल दागे, जबकि अमन शर्मा (44', 53') ने पुलिस बोर्ड के लिए दोनों गोल किए। दूसरे मुकाबले में भारतीय खाद्य निगम ने केंद्रीय सचिवालय को 2-0 से मात

दी। धीमी शुरुआत के बाद अभिषेक (41') और रिंकू अंटिल (44') ने लगातार दो गोल कर टीम को जीत दिलाई। तीसरे क्वार्टर फाइनल में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड ने रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड को शूटआउट में 5-4 से हराया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। गुरसाहिबजीत सिंह (4') ने रेलवे के लिए बढ़त दिलाई, जिसे गुरजिंदर सिंह (17') ने बराबर कर दिया। शूटआउट में सुमित कुमार, विश्वास जी, और कप्तान सुनील देविंदर वाल्मीकि ने गोल कर पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड को जीत दिलाई। दिन के अंतिम क्वार्टर फाइनल में सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड ने भारतीय खेल प्राधिकरण को 3-2 से पराजित किया। सुपील धनवर (12'), रजत मिन्जा (33') और अजिंक्य जाधव (46') ने सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड के लिए गोल किए, जबकि मो. ज़ैद खान (8') और सुंदरम सिंह राजावत (58') ने साई के लिए गोल दागे।

वुहान ओपन 2025: नाओमी ओसाका ने लेला फर्नांडीज को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई

एजेंसी

वुहान (चीन)। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने शानदार वापसी करते हुए कनाडा की लेला फर्नांडीज को 4-6, 7-5, 6-3 से हराकर वुहान ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली। ओसाका 2017 के बाद पहली बार चीन के इस शहर में खेल रही थीं। सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में उन्होंने उसी प्रतिद्वंद्वी का सामना किया जिसने 2021 यूएस ओपन में उन्हें हराकर बड़ा उलटफेर किया था। पहला सेट गंवाने के बाद ओसाका ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। फर्नांडीज़ ने पहले सेट में अपने दो में से एक ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया और सर्विस पर बेहतर खेल दिखाया, लेकिन दूसरे सेट में ओसाका ने रिटर्न गेम में दबाव बनाया। यह सेट पाँच ब्रेक के साथ रोमांचक रहा, जिसमें अंततः ओसाका ने बढ़त बनाकर जीत दर्ज की। इस बीच, 2021 यूएस ओपन चैम्पियन एम्मा राडुकानू को चक्कर आने के कारण अपने पहले दौर के मैच से हटना पड़ा। वे अमेरिकी खिलाड़ी ऐन ली से 1-6, 1-4 से पीछे चल रही थीं जब उन्होंने रिटायरमेंट लिया।ब्रिटिश विश्व नंबर 30 राडुकानू गर्म मौसम से जूझती नजर आईं, क्योंकि तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। टूर्नामेंट आयोजकों को पहले दो दिनों में हीट रूल (Heat Rule) लागू करना पड़ा। अन्य शुरुआती मुकाबलों में, सोफिया केनिन ने अनास्तासिया ज़ाखारोवा को

3-6, 7-6 (5), 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना 16वीं वरीयता प्राप्त ल्युडमिला समसोनोवा से होगा। समसोनोवा ने एमिलियाना अरांगो को 6-1, 7-5 से मात दी।

11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 : कजाकिस्तान ने आर्टिस्टिक स्वीमिंग में जीता खिताब, भारत की वाटर पोलो टीमों की हार

एजेंसी

अहमदाबाद। वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में कजाकिस्तान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आर्टिस्टिक स्वीमिंग चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। कजाकिस्तान ने कुल 10 पदक (6 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य) जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। आखिरी दिन हुए एक्रोबैटिक रूटीन में भी कजाकिस्तान ने बाजी मारी, जबकि उज़्बेकिस्तान की खादिचा अगजामोवा और सबीना मखमुदोवा की जोड़ी ने डुएट फ्री इवेंट में स्वर्ण पदक जीता।

थाईलैंड ने 6 पदक (2 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उज़्बेकिस्तान ने 7 पदक (2 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य) के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।इस बीच, भारत की पुरुष और महिला वाटर पोलो टीमों को हार का सामना करना पड़ा। पुरुष टीम जापान से 11-35 से हार गई, जिससे उसका एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने

का सपना टूट गया। जापान के लोरे जुन ने सर्वाधिक 6 गोल किए, जबकि भारत के लिए अंकित प्रसाद ने 4 गोल दागे। महिला टीम को अपने पहले मुकाबले में उज़्बेकिस्तान से 4-23 की करारी हार झेलनी पड़ी। भारत की ओर से कृपा रानीचित्रा और प्रचेता राघवेंद्र राव ने 2-2 गोल किए। अन्य मुकाबलों में महिला ग्रुप-बी में चीन ने कजाकिस्तान को 23-6 से और थाईलैंड ने हांगकांग को 26-7 से हराया। पुरुष ग्रुप-बी में चीन ने उज़्बेकिस्तान को 29-11 से और कज़ाकिस्तान ने सिंगापुर को 11-7 से मात दी। वाटर पोलो प्रतियोगिता वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी रहेगी, जिसके क्वार्टर फाइनल मुकाबले 09 अक्टूबर 2025 को खेले जाएंगे।

परिणाम (आर्टिस्टिक स्वीमिंग):

डुएट फ्रीः

खादिचा अगज़ामोवा, सबीना मखमुदोवा (उज़्बेकिस्तान) - 209.9784 (स्वर्ण)

दयाना जमंचलोवा, यास्मीन तुयाकोवा (कजाकिस्तान) - 206.6363 (रजत)

सियी चेन, युतोंग जियांग (चीन) - 183.4671 (कांस्य)

एक्रोबैटिक रूटीनः

कजाकिस्तान - 190.1663 (स्वर्ण)

थाईलैंड - 154.5151 (रजत)

उज़्बेकिस्तान - 141.1051 (कांस्य)

लिंथोई चानंबम ने जूनियर जूडो विश्व चैंपियनशिप में रचा इतिहास, भारत को दिलाया पहला पदक

एजेंसी

लीमा (पेरू)। भारत की जूडो खिलाड़ी लिंथोई चानंबम ने इतिहास रचते हुए जूनियर जूडो विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत लिया। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक है। लिंथोई ने महिलाओं के 63 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में नीदरलैंड्स की जोनी गाइलन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यह मौका रिपेचेज राउंड के ज़रिए प्राप्त किया था, क्योंकि ग्रुप चरण में उन्हें जापान की सो मोरिचिका से हार का सामना करना पड़ा था। मुकाबले की शुरुआत में लिंथोई को अपने प्रतिद्वंद्वी को ब्लॉक करने पर शुरुआती पेनल्टी मिली, लेकिन उन्होंने टोमो-नागे तकनीक के शानदार प्रयास से बढ़त बनाने की कोशिश की और प्रतिद्वंद्वी को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया। अंत तक मुकाबला संतुलित रहा, लेकिन आखिरी क्षणों में लिंथोई ने बेहतरीन होल्ड-डाउन मूव के ज़रिए इप्पोन हासिल किया और भारत के लिए ऐतिहासिक कांस्य पदक पक्का किया।

भारत अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर यूथ टेस्ट सीरीज 2-0 से जीती

एजेंसी

मैकाय (ऑस्ट्रेलिया)। भारत अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को दूसरे यूथ टेस्ट में हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। ग्रेट बैरियर रीफ एरेना में खेले गए मुकाबले में भारत ने 81 रनों का लक्ष्य 13 ओवर से भी कम में हासिल कर लिया और 7 विकेट से जीत दर्ज की। यह दौरा भारत अंडर-19 टीम के लिए बेहद सफल रहा। टीम ने पूरे दौरे में सभी 5 मुकाबले जीते, जिनमें तीन वनडे और दो टेस्ट शामिल थे।भारत की जीत में वेदांत त्रिवेदी ने नाबाद 33 रन की पारी खेली और चौका लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 13 रन, विहान

मल्होत्रा ने 21 रन और राहुल कुमार ने नाबाद 13 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हो गए। वेदांत त्रिवेदी दौरे के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने वनडे में 173 रन और टेस्ट में 198 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने टेस्ट में 133 रन बनाकर दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वनडे में भी 124 रन के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 135 रन बनाए। जवाब में भारत ने पहली पारी में 171 रन बनाकर 36 रनों की बढ़त हासिल की और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 116 रनों पर समेट दिया। गेंदबाजी में नमन पुष्पक और हेनिल पटेल ने तीन-तीन विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने सर्वाधिक 38 रन बनाए।

फेनेस्टा ओपन टेनिस चैंपियनशिप में कौस्तुभ और तानिश ने अपने-अपने मुकाबले जीते

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रही फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में लड़कों के अंडर-14 एकल वर्ग में शीर्ष वरीय कौस्तुभ सिंह (उत्तर प्रदेश) और चौथी वरीय तानिश नंदा (चंडीगढ़) ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बना ली। कौस्तुभ ने हरिहरन महामुनी को केवल एक घंटे से भी कम समय में 9-2 से हराते हुए दमदार प्रदर्शन किया। हरिहरन ने शुरुआती गेम जीतने के बाद लगातार आठ गेम गंवाए। कौस्तुभ ने शानदार बेसलाइन खेल और धारदार सर्विस के दम पर जीत दर्ज की। तानिश ने एकतरफा मुकाबले में ऋषव प्रसाद को 9-0 से मात दी। उन्होंने पूरे मैच में एक भी गेम नहीं गंवाया और विरोधी की सर्विस हर मौके पर तोड़ते हुए शानदार लय बनाए रखी।

इसी बीच, छठी वरीयता प्राप्त मनोदिप दे (पश्चिम बंगाल) ने भी प्रभावित किया। उन्होंने अंश जलोटा को 9-1 से पराजित किया। मनोदिप ने मैच में लगातार दबदबा बनाए रखा और केवल एक गेम गंवाया डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के सहयोग से आयोजित और ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन तथा दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में हो रही यह प्रतियोगिता देश

के सबसे प्रतिभाशाली जूनियर खिलाड़ियों का मंच बनी हुई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को जूनियर वर्ग में किट भत्ता दिया जाएगा, जबकि अंडर-16 और अंडर-14 एकल वर्ग के विजेता और उपविजेता को 25 हजार रुपये की टेनिस छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

म्योहाल हॉस्टल ने जीती मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी

एजेंसी

प्रयागराज। डाक मनोरंजन क्लब द्वारा डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय एम.पी.सिंह मेमोरियल जिला स्तरीय मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता का मंगलवार को प्रधान डाकघर के ग्राउंड पर समापन हुआ। प्रतियोगिता में म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने देव स्पोर्ट् एकेडमी नैनी को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल प्रयागराज और देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी के बीच खेला गया। जिसमें म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी को 25-22, 25-20 व 25-19 अंकों से हराकर एम.पी.सिंह मेमोरियल जिला स्तरीय मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी ने प्रधान डाकघर पोस्टल प्रयागराज की टीम को 25-21 व 25-23 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल की टीम ने पुलिस लाइंस क्लब प्रयागराज की टीम को 25-19 व 25-17 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश की थी। प्रतियोगिता के दौरान अल्ताफ अली, फूलचंद गुप्ता, मुकेश शुक्ला, धनंजय राय, असफाक अहमद व संतोष कुमार ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

जडेजा और सिराज ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग हासिल की है। अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज़ के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद जडेजा को बड़ा फायदा हुआ है।

भारत की एकमात्र पारी में 104 नाबाद रन बनाने वाले जडेजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान की छलांग लगाकर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके करियर में यह अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इससे पहले उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29वीं थी। जडेजा अब 644 रेटिंग अंक पर पहुंच गए हैं। वहीं, दूसरी पारी में चार विकेट झटकने से उन्होंने ऑलराउंडर रैंकिंग में भी शीर्ष पर अपनी बढ़त को 125 अंकों तक मजबूत कर लिया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी इंग्लैंड दौरे के अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए चार विकेट (4/40) और तीन विकेट (3/31) झटके। इसके दम पर वह गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं और 700 रेटिंग अंकों के पार पहुंच गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय बल्लेबाज के.एल. राहुल और ध्रुव जुरेल को भी रैंकिंग में बढ़त मिली है। दोनों ने शतक जड़े थे –

राहुल चार स्थान ऊपर उठकर 35वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि जुरेल 20 स्थान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के कलाई स्पिनर कुलदीप यादव को दो किफायती विकेटों का इनाम मिला है और वे सात स्थान ऊपर बढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज की ओर से इस मुकाबले में कोई खास प्रदर्शन नहीं हुआ। कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा सका और न ही कोई गेंदबाज दो से अधिक विकेट ले पाया।

टी20 रैंकिंग में भी बदलाव

आईसीसी पुरुष टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने फरवरी 2024 के बाद पहली बार टॉप-10 बल्लेबाजों में वापसी की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज़ में पहले मैच में 85 रन और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन ने पहले मैच में नाबाद 106 रन की पारी खेली और 58 स्थानों की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

यूएई में खेले गए टी20 सीरीज़ में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 3-0 से हराया। बांग्लादेश के बल्लेबाज सैफ हसन ने तीसरे मैच में नाबाद 64 रन बनाए और पहली बार टॉप-20 बल्लेबाजों में जगह बनाई। तंजीद हसन 43वें से 37वें और परवेज हुसैन 71वें से 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर राशिद खान ने पहले दो मैचों में शानदार गेंदबाजी करते हुए (4/18 और 2/29) गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो जून पिछले साल के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ पोजीशन है। उनके साथी नूर अहमद आठ स्थान की छलांग लगाकर 17वें और मुजीब उर रहमान छह स्थान बढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के गेंदबाजों में तंजीम हसन साकिब नौ स्थान चढ़कर 33वें, शोरफुल इस्लाम 21 स्थान चढ़कर संयुक्त 49वें, और प्लेयर ऑफ द सीरीज़ नासुम अहमद 131वें से 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सीबीआईसी ने आईएफएससी कोड के लिए सिस्टम-आधारित स्वतः अनुमोदन शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबार सुगमता को बढ़ाने के लिए भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (आईएफएससी) कोड पंजीकरण के लिए प्रणाली-आधारित स्वतः स्वीकृति की शुरुआत की है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और व्यापार सुविधा को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए यह शुरुआत की गई है। इस नई पहल के तहत प्रणाली स्वतः ही उन अनुरोधों को स्?वीकृति प्रदान करेगी, जिनमें किसी विशेष आयातक निर्यातक कोड के लिए समान प्रोत्साहन बैंक खाता और आईएफएससी कोड संयोजन पहले से किसी एक सीमा शुल्क केंद्र पर स्वीकृत हो चुका है और अब उसे अन्य स्थानों पर पंजीकृत किया जा रहा है। इस प्रकार बंदरगाह अधिकारी द्वारा मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी तथा प्रणाली सीधे ऐसे अनुरोधों को स्वीकृत कर देगी। मंत्रालय के मुताबिक यह पहल निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए की गई है:- बैंक खाते और आईएफएससी कोड स्वीकृति अनुरोधों के त्वरित निपटान करने के लिए, अनेक बंदरगाहों पर पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए, निर्यातकों के बैंक खातों में निर्यात प्रोत्साहनों की तेज और निर्बाध अंतरण सुनिश्चित करने के लिए और समग्र व्यापार दक्षता बढ़ाने के लिए।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते वार्ता नवंबर में पूरी होने की संभावना : पीयूष गोयल

दोहा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि नवंबर में वार्ता पूरी करने की सभी संभावनाएं मौजूद हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने दोहा में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी जानते हैं कि अमेरिकी सरकार इस समय शटडाउन मोड में है। इसलिए, हमें यह देखना होगा कि चर्चा कैसे, कहां और कब हो सकती है। पीयूष गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को आकर्षित करने के लिए बहुत उत्साह है। गोयल कतर के आधिकारिक यात्रा पर आज दोहा में हैं। वे एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करके दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर वार्ता जारी है। हम जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे कि हम इसे कैसे आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी का अनुमान बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने अपने जून पूर्वानुमान में इसके 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई थी। विश्व बैंक ने अपने दक्षिण एशिया परिदृश्य में कहा कि उपभोग वृद्धि में निरंतर मजबूती के कारण भारत के विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी शुल्क अगले वर्ष देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डाल सकते हैं। विश्व बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। पूर्व में इसके 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई गई थी। साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2027-28 के लिए 6.3 फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान जताया है। विश्व बैंक ने अपने दक्षिण एशिया परिदृश्य में कहा कि घरेलू परिस्थितियां, खासकर कृषि उत्पादन और ग्रामीण मजदूरी वृद्धि, अपेक्षा से बेहतर रही हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सरकार के सुधारों, कर स्लैब की संख्या कम करना और अनुपालन को सरल बनाने से गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

निर्मला सीतारमण ने 'गिफ्ट सिटी' में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली शुरू की

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के इस्तेमाल से सरकार ने चार लाख 31 हजार करोड़ रुपये की बचत की है। केंद्रीय वित्त मंत्री महाराष्ट्र, मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के अवसर अपने संबोधन में यह बात क?ही। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली गिफ्ट सिटी के भीतर वास्तविक समय के आधार पर विदेशी मुद्रा लेनदेन को पूरा करेगी। वर्तमान में गिफ्ट सिटी में विदेशी मुद्रा का निपटान करने में 36 से 54 घंटे लगते हैं। यह प्रणाली शुरू होने के साथ ही भारत हांगकांग, टोक्यो और मनीला की श्रेणी में शामिल हो गया है, जो पहले से ही ऐसी निपटान प्रणालियों से लैस हैं। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन के दौरान बैंकिंग, वित्त, फिनटेक, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में देश की विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी को एक सेतु के रूप में काम करते रहना चाहिए। सीतारमण ने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी को विश्वास को गहरा करना चाहिए।

2028 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा: ब्रिटिश पीएम स्टार्मर

एजेंसी

नई दिल्ली । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दो दिवसीय भारत दौरे पर मुंबई पहुंचे हैं, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम स्टार्मर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। बता दें कि ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख सीईओ, अग्रणी उद्यमी, विश्वविद्यालय के कुलपति और सांस्कृतिक संस्थान के अधिकारी के साथ पीएम कीर स्टार्मर भारत पहुंचे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है। ऐसे में अवसरों का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जुलाई में भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता किया। यह किसी भी देश द्वारा किया गया सबसे सुरक्षित है, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं है; यह विकास का एक लॉन्चपैड है। इससे पहले प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, मैं इस हफ्ते मुंबई में हमारे 125 सबसे बड़े घरेलू नामों के साथ ब्रिटिश व्यवसाय का झंडा फहराऊंगा। उनके लिए भारत में विकास का मतलब है ब्रिटिश लोगों के लिए घर पर ज्यादा विकल्प, अवसर और नौकरियां। भारत की यात्रा शुरू करने से पहले पीएम स्टार्मर ने किसी भी तरह के वीजा समझौते से इनकार करते हुए कहा, ÷यह योजना का हिस्सा नहीं है। यह यात्रा उस मुक्त व्यापार समझौते का लाभ उठाने के लिए है, जिस पर हम पहले ही हस्ताक्षर कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को इस समझौते से लाभ हो रहा है; वीजा मुद्दा नहीं है। ब्रिटेन की आव्रजन नीतियां सख्त रहेंगी।

ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स ने निवेशकों को किया निराश, अपर सर्किट के बावजूद निवेशकों को जबरदस्त नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सर्विस देने वाली कंपनी ओम फ्रेट फारवर्डर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 39 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 81.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 86.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 35.85 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ओम फ्रेट फारवर्डर्स का 122.31 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.77 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.57 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 24.44 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 72.50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कॉमर्शियल गाड़ियों और हेवी इक्वीपमेंट की खरीदारी, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

देश की महत्वकांक्षा 5-जी से आगे, ध्यान अब 6-जी एवं उपग्रह संचार पर : सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारत की महत्वाकांक्षाएं 5-जी तक ही नहीं है, ल्कि अब ध्यान 6-जी एवं उपग्रह संचार पर है। अब लक्ष्य 6-जी पेटेंट का 10 फीसदी हासिल करना है। केंद्रीय संचार मंत्री नें इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 को संबोधित करते कहा कि भारत की क्रांतिकारी डिजिटल यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है, जिन्होंने दूरसंचार को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा है।

उन्होंने कहा कि एशिया के सबसे बड़े दूरसंचार एवं प्रौद्योगिकी आयोजन इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के उद्घाटन के साथ राष्ट्र न केवल डिजिटल क्रांति में भाग ले रहा है, बल्कि देश के लिए समाधान तैयार करके, स्थानीय चुनौतियों का समाधान करके और वैश्विक स्तर पर नवाचारों को बढ़ावा देकर इसका नेतृत्व भी कर रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जोर दिया कि कैसे भारत तकनीक को निष्क्रिय रूप से अपनाने

से आगे बढ़कर वैश्विक मानकों को आकार देने वाला एक सक्रिय नवप्रवर्तक बन गया है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लोग कहेंगे कि दुनिया भारत पर निर्भर है। उन्होंने उद्योग जगत से यहां डिजाइन करें, यहां समाधान करें और हर जगह विस्तार करें का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आज एशिया के सबसे बड़े दूरसंचार, मीडिया और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 के 9वें संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत निवेश, नवाचार और निर्माण के लिए सबसे बेहतर स्थान है। उन्?होंने कहा कि भारत का लोकतांत्रिक ढांचा, सरकार की अनुकूल सोच और बिजनेस के लिए जरूरी माहौल ने देश को निवेश-हितैषी गंतव्य बना दिया है।

स्टॉक मार्केट में शील बायोटेक की जोरदार एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनी शील बायोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 63 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 44.44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 91 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 95.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि सुबह 10ः30 बजे बिकवाली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद शील बायोटेक के शेयर 93.05 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। शील बायोटेक का 34.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 15.97 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के

लिए रिजर्व पोर्शन 19.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 25.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 10.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 11 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 102.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 19.17 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 23.54 करोड़ रुपये हो गया।

इनफिनिटी इंफोवे की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

एजेंसी

नई दिल्ली। एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्लेटफॉर्म मुहैया कराने वाली कंपनी इनफिनिटी इंफोवे के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 155 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 294.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 309.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया। इनफिनिटी इंफोवे का 24.42 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 277.24 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 157.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 548.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 303.35 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.77 गुवना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 15,75,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने लिए नए आईटी इंफ्रा की खरीदारी करने, टेंडर्स की फंडिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 94 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.19 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 58 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 13.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।

बेनियाबाग में सजेगा स्वदेशी उत्सव : 9 से 18 अक्टूबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025

एजेंसी

वाराणसी। बनारस के ऐतिहासिक राजनारायण स्मारक पार्क, बेनियाबाग में इस बार दीपावली की रौनक कुछ खास होने वाली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वाराणसी में 09 से 18 अक्टूबर तक ÷यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025, स्वदेशी मेला÷ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य स्थानीय हस्तशिल्पियों, कारीगरों और उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का मंच देना है, साथ ही आम जनता को दीपावली पर्व पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी का अनूठा अवसर प्रदान करना है। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के अनुसार, इस दस दिवसीय मेले में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, डूडा, खादी ग्रामोद्योग आयोग तथा एमएसएमई (भारत सरकार) से जुड़े कई संस्थान और योजनाओं के लाभार्थी भाग लेंगे। मेले में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हस्तनिर्मित वस्त्र, मृद्भांड, लकड़ी और पीतल के शिल्प, खादी उत्पाद, प्राकृतिक रंगों से बने परिधान, जैविक खाद्य पदार्थ, हर्बल उत्पाद, और गृह सज्जा की वस्तुएं आकर्षण का केंद्र होंगी। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों के स्टॉल भी बड़ी संख्या में लगाए जाएंगे, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहन मिलेगा। मेले का आयोजन प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा, जबकि हर शाम 6:30 से 8:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में स्थानीय लोक कलाकारों, नाट्य मंडलियों और युवा प्रतिभाओं को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उद्योग विभाग का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन से न केवल स्थानीय उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि वाराणसी के कारीगरों और उद्यमियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिलेगी।

सर्राफा बाजार में मजबूती का रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। दोनों चमकीली धातु आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,150 रुपये से लेकर 1,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,030 रुपये से लेकर 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,860 रुपये से लेकर 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,57,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में एडवांस एग्रोलाइफ की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली।एग्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स बनाने और बी2बी बेसिस पर सीधे कॉरपोरेट ग्राहकों को खाद और कीटनाशक बेचने वाली कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 13 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 113 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 114 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 109 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। एडवांस एग्रोलाइफ का 392.86 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 56.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 27.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 175.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 23.14 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 38.42 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,92,85,720 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 14.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 24.73 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 25.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 12 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 502.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।

पीएम सूर्य घर बिजली योजना के तहत 10,907 करोड़ रुपये के ऋण मंजूरः वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) के तहत 10,907 करोड़ रुपये के पांच लाख से अधिक ऋण स्वीकृत किए हैं। इस योजना का मकसद रूफटॉप यानी छतों पर सौर प्रणाली स्थापित कर घरों को अपनी बिजली खुद उत्पादित करने में सक्षम बनाना है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) को ऋण वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके और कम ब्याज दर पर गिरवी मुक्त किफायती ऋण की सुविधा देकर लागू किया जा रहा है। यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के जरिए आसान वित्तपोषण से समर्थित है। मंत्रालय ने आधिकारिक में कहा, सितंबर 2025 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 10,907 करोड़ रुपये की राशि के 5.79 लाख से अधिक ऋण आवेदनों को मंजूरी दी है, जिससे रूफटॉप सौर प्रणाली स्थापित करने वाले लाभार्थियों को वित्तीय सहायता बढ़ी है। इसके लिए ऋण देने की प्रक्रिया आसान पोर्टल के जरिए पूरी की जाती है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक पीएमएसजीएमबीवाई राष्ट्रीय पोर्टल pmsuryaghar.gov.in के साथ जुड़ा हुआ है। इससे लाभार्थियों के लिए निर्बाध डिजिटल आवेदन की प्रक्रिया, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव और डेटा-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित होती है। इस आदर्श ऋण योजना में जो प्रमुख लाभ शामिल हैं।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 41 हजार करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि, बाजार में पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेतों, दूसरी तिमाही के सकारात्मक बिजनेस अपडेट्स और ऑयल एंड गैस तथा एनर्जी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार खरीददारी के कारण बाजार की मजबूती बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के अलावा फार्मास्यूटिकल तथा रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर डिफेंस, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.25 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 41 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,847 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,316 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,819 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,234 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,585 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 93.83 अंक की मजबूती के साथ 81,883.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही देर में लाल निशान में 81,787.48 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोपहर 11 बजे के तक अपनी सारी बढ़त गंवा दी। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसके कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 519.44 अंक की तेजी के साथ 82,309.56 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये तेजी भी टिक नहीं सकी। कारोबार के आखिरी 1 घंटे में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 380 अंक से ज्यादा टूट कर 136.63 अंक की बढ़त के साथ 81,926.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 7.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,085.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही देर में लुढ़क कर लाल निशान में 25,076.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया।

अमेरिका में हवाई यात्रा पर असर, शटडाउन पर गतिरोध जारी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार का शटडाउन अपने सातवें दिन में प्रवेश कर गया है, तथा देश भर के कई हवाई अड्डों पर उड़ानों में देरी की खबरें हैं। हवाई यातायात नियंत्रकों की कमी के कारण न्यूयॉर्क, डेनवर और लॉस एंजिल्स के हवाई अड्डों पर उड़ानें विलंबित रहीं। वाशिंगटन, डीसी, नेवार्क, न्यू जर्सी और जैक्सनविल, फ्लोरिडा में भी कर्मचारियों की कमी की खबरें आ रही हैं। कैलिफोर्निया के हॉलीवुड बरबैंक हवाई अड्डे से सोमवार को एक पायलट उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था और उसने हवाई यातायात नियंत्रण टावर को रेडियो पर सूचना दी। लाइवएटीसी डॉट नेट द्वारा रिकॉर्ड किए गए ऑडियो के अनुसार, प्रस्थान के बारे में सामान्य बातचीत के बजाय पायलट को बताया गया, कर्मचारियों की कमी के कारण टावर बंद है। परिवहन सचिव सीन डफी ने इस संकट के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराया और कहा कि विपक्षी दल हवाई यातायात नियंत्रकों और उनके परिवारों की भलाई को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमारे हवाई यातायात नियंत्रण कर्मचारियों को काम पर जाने, वेतन पाने और सरकारी बंद के कारण उनके और उनके परिवारों की भलाई को खतरे में न डालने का हक है।'

लेबनान के क्रिश्चियन नेता का हिज्बुल्लाह को चेतावनी - 'जितनी जल्दी हो सके हथियार सौंपें'

माराब। लेबनान के प्रमुख क्रिश्चियन राजनेता समीर गियागिया ने हिज्बुल्लाह से अपने हथियार राज्य को तुरंत सौंपने का आह्वान किया है। उसने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान समर्थित इस समूह के पास अब विकल्प समाप्त हो चुके हैं। गियागिया ने अपनी निवासस्थान माराब, बीरुत के उत्तर से दिए इंटरव्यू में कहा कि हिज्बुल्लाह के पास कोई विकल्प नहीं बचा है, उन्हें अपने हथियार लेबनान राज्य को सौंपने होंगेज क्योंकि राज्य ने यह निर्णय लिया है। ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह पिछले साल गाजा युद्ध में अपने फिलिस्तीनी सहयोगी हमास के पक्ष में हस्तक्षेप के बाद इजराइल द्वारा कमजोर किए जाने के बाद अपनी हथियार देने के लिए बढ़ते दबाव में है। अमेरिकी दबाव और इजराइल की संभावित सैन्य कार्रवाई के डर के बीच, लेबनानी सरकार इस समूह को निर्बल करने की कोशिश कर रही है, और सेना ने देश के दक्षिण में इसे लागू करने की योजना शुरू कर दी है।गियागिया ने कहा, हिज्बुल्लाह को निश्चित रूप से हमास के साथ वर्तमान स्थिति से सीख लेनी चाहिए। यही एक और कारण है कि उन्हें जल्द से जल्द हथियार राज्य को सौंपने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिज्बुल्लाह का हथियार रखने का विरोध इसे राजनीतिक खेल और कानून के बाहर रखता है, और इसे राज्य के खिलाफ विद्रोही के रूप में पेश करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री ओली और गृह मंत्री लेखक के खिलाफ पुलिस में दर्ज शिकायत को न्यायिक आयोग में भेजा गया

काठमांडू। काठमांडू जिला पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दायर शिकायत को पूर्व न्यायमूर्ति गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में उच्च स्तरीय न्यायिक आयोग को जांच के लिए भेज दिया है। जेन जी विरोध प्रदर्शनों के चार पीड़ितों के परिवारों ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 8 और 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के दौरान दोनों नेता मानवता के खिलाफ अपराधों और राज्य अपराधों के लिए जिम्मेदार थे। काठमांडू वैली कमांड इंचार्ज एआईजी दान बहादुर कार्की ने बताया कि पुलिस ने शिकायत स्वीकार कर ली लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे पंजीकृत नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि मामला कार्की के नेतृत्व वाले न्यायिक आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। अंतरिम सरकार द्वारा गठित उच्च-स्तरीय न्यायिक आयोग को जेन जी आंदोलन के दौरान शारीरिक और मानव हानि की सभी घटनाओं की जांच करने और बल के अत्यधिक उपयोग के लिए जवाबदेही निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। शिकायत को अब औपचारिक रूप से आगे की जांच के लिए आयोग को स्थानांतरित कर दिया गया है।

शटडाउन के बीच ट्रंप ने कहा- कई सरकारी योजनाएं और नौकरियां स्थायी रूप से खत्म की जाएंगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मौजूदा सरकारी शटडाउन के चलते उनका प्रशासन कई सरकारी कार्यक्रमों और नौकरियों को स्थायी रूप से समाप्त करने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने कहा कि वे अगले चार या पांच दिनों में नौकरियों में कटौती से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि जिन कार्यक्रमों को बंद किया जाना है, उनकी पहचान पहले ही कर ली गई है। ट्रंप ने कहा, हम कई चीजों को खत्म करने जा रहे हैं और स्थायी रूप से खत्म करेंगे। उन्होंने आगे यह जोड़ते हुए कि डेमोक्रेट्स ने मुझे यह अवसर चांदी की थाली में परोस दिया है। ट्रंप ने संकेत दिया कि यदि शटडाउन जारी रहता है, तो कटौतियां काफी बड़ी होंगी। उन्होंने कहा कि कई नौकरियां कभी वापस नहीं आएंगी। जब ट्रंप से डेमोक्रेट्स के लिए उनके संदेश के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसे कामकाजी हमला बताया। ट्रंप ने कहा, उन्होंने ही यह सब शुरू कियाज्यह लगभग एक कामकाजी हमला जैसा है। सच कहूं तो, यह बिल्कुल वैसा ही है उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मुठभेड़, लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर समेत 11 सैन्यकर्मियों की मौत, 19 आतंकी ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना को भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इस मुठभेड़ में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित 11 सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। इस मुठभेड़ में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 19 आतंकी भी मारे गए। डान अखबार के अनुसार, आईएसपीआर ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार, यह मुठभेड़ खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में हुई। इसमें एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित 11 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। आईएसपीआर ने कहा कि मुठभेड़ में 19 आतंकी भी मारे गए। गोलीबारी के दौरान 39 वर्षीय लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद आरिफ और 33 वर्षीय मेजर तैय्यब राहत की भी मौत हो गई। जान गंवाने वाले सैन्यकर्मियों में 38 वर्षीय नायब सूबेदार आजम गुल, 35 वर्षीय नायक आदिल हुसैन, 34 वर्षीय नायक गुल अमीर, 31 वर्षीय लांस नायक शेर खान, 32 वर्षीय लांस नायक तालिश फ़राज, 32 वर्षीय लांस नायक इरशाद हुसैन, 28 वर्षीय सिपाही तुफैल खान, 23 वर्षीय सिपाही आकिब अली और 24 वर्षीय सिपाही मोहम्मद जाहिद भी हैं। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने 19 आतंकवादियों को मार गिराने के लिए देश के सुरक्षा बलों की प्रशंसा करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल आरिफ और मेजर राहत की मौत पर दुख जताया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समझौता तोड़ने के बाद हमलों में वृद्धि हुई है।

नेपाल सरकार आठ-नौ सितंबर की घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र- न्यायिक आयोग

एजेंसी

काठमांडू। पिछले माह आठ और नौ सितंबर की घटनाओं की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने आज साफ कर दिया कि सरकार को आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उसकी रिपोर्ट का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में गठित आयोग ने स्पष्ट किया कि सरकार आयोग के निष्कर्षों की प्रतीक्षा किए बिना आपराधिक कृत्यों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई भी कर सकती है। न्यायिक जांच आयोग का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली तथा पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दायर की गई एफआईआर पर कार्रवाई करने के बजाए उसे आयोग के पास भेज दिया है। रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की ने कहा कि 29 सितंबर को गृह मंत्रालय के एक बयान के जवाब में पहले ही कहा जा चुका है कि किसी भी फौजदारी मामले में न्यायिक आयोग के रिपोर्ट की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि आयोग का जनादेश भौतिक और मानवीय नुकसान से संबंधित जानकारी या शिकायतों को एकत्र करना, उनका विश्लेषण करना और आवश्यक कार्रवाई के लिए सिफारिशें प्रदान करना है। गृह मंत्रालय ने पहले कहा था कि आयोग के अधिकार क्षेत्र के मुद्दों को नियमित तंत्र के माध्यम से तब तक नहीं संभाला जाएगा जब तक कि आयोग का काम पूरा नहीं हो जाता। जस्टिस कार्की का कहना है ।

अमेरिका में शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों पर, वेतन पर संकट

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सरकारी शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों के वेतन पर पड़ सकती है। इस बात के पूरे आसार हैं कि इन कर्मचारियों को पिछला वेतन नहीं मिल पाएगा। व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वह छुट्टी पर गए संघीय कर्मचारियों को पिछला वेतन देने से इनकार कर सकता है।

सरकारी शटडाउन से उत्पन्न हालात पर अमेरिका के लगभग सभी प्रमुख समाचार माध्यमों में चर्चा की गई है। ऑनलाइन न्यूज पोर्टल पॉलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, यूनियन नेताओं और डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में पारित कानून के विपरीत होगा। व्हाइट हाउस ने कहा है कि छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के आसार हैं। ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन को सबकी चिंता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो देखभाल के लायक नहीं हैं। एक्सियोस ने व्हाइट हाउस के कड़े रुख की सबसे पहले सूचना दी। इसके बाद राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई। व्हाइट हाउस और प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने बहुत से लोगों को जोखिम और संकट में डाल दिया है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 35 दिनों से ज्यादा समय तक चले शटडाउन के बाद एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षरित किया था। यह आदेश पिछले वेतन की गारंटी प्रदान करता है। मगर ताजा रुख ने छुट्टी पर चल रहे 7,50,000 संघीय कर्मचारियों के सामने वेतन का संकट खड़ा कर दिया है। स्पीकर माइक जॉनसन का कहना है कि उन्होंने पिछले वेतन की गारंटी देने वाले 2019 के कानून के लिए मतदान किया था। जॉनसन ने पत्रकारों से कहा कि व्हाइट हाउस के ताजा आदेश पर बहस होगी। उम्मीद है कि छुट्टी पर गए कर्मचारियों को पिछला वेतन मिल जाएगा। कुछ कानूनी विश्लेषकों का मानना है कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए। डेमोक्रेट्स को इस पर तत्काल कठोर फैसला लेना चाहिए।

इस बीच व्हाइट हाउस ने 2024 के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ मतदान करने वाले राज्यों कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के लिए ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को निलंबित कर दिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि शटडाउन से संबंधित किसी भी नौकरी में कटौती के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार होंगे। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि सरकारी शटडाउन के दौरान छुट्टी पर भेजे गए कुछ संघीय कर्मचारियों को काम पर लौटने के बाद भी पिछला वेतन नहीं मिलेगा।

अमेरिकी सीनेट की भारत के राजदूत के रूप में सर्जियो गोर के नाम पर हां

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी में सरकारी शटडाउन के बीच सीनेट ने भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में सर्जियो गोर के नाम पर मुहर लगा दी। दो माह पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सर्जियो गोर को भारत के नए राजदूत के रूप में नामांकित किया था। सीनेट ने राष्ट्रपति के 100 से अधिक नामांकित लोगों की सूची को हरी झंडी दिखाई। 38 वर्षीय गोर को राष्ट्रपति ट्रंप का बेहद करीबी माना जाता है।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट रिपब्लिकन ने पार्टी लाइन के दायरे में मतदान करके ट्रंप के 107 नामांकितों के समूह की पुष्टि की। अब सीनेट के कैलेंडर में लंबित शेष नामांकितों की संख्या घटकर दहाई अंक में रह गई। ऊपरी सदन में सरकारी शटडाउन के बीच गतिरोध के दौरान सीनेट में हुए मतदान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीनेट ने ट्रंप के कई शीर्ष सहयोगियों के नामों को मंजूरी प्रदान की है। इनमें पूर्व रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार और पूर्व एनएफएल स्टार हर्शल वॉकर भी शामिल हैं। सीनेट ने वॉकर को

बहामास और गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने के पक्ष में मतदान किया। सीनेट में गोर के पक्ष में 51 और विरोध में 47 वोट पड़े। सीनेट ने प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के अध्यक्ष पॉल एटकिंस की 2031 तक आयोग में पुनर्नियुक्ति को भी मंजूरी प्रदान की है। सीनेट में हुए इस मतदान को अल्पसंख्यक नेता चक शूमर और उनके कॉकस के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट ने कैलिफोर्निया के पॉल कपूर और फ्लोरिडा की अंजनि सिन्हा के नामांकन को भी मंजूरी प्रदान कर दी।

ट्रंप ने पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री और अंजनि सिन्हा को सिंगापुर गणराज्य का राजदूत नामित किया था। उल्लेखनीय है कि अगस्त में राष्ट्रपति ट्रंप के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया गया था। पिछले माह सीनेट की विदेश संबंध समिति में अपने नाम की पुष्टि के लिए हुई सुनवाई में गोर ने भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया था।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ना हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में प्रशासनिक विफलता और बलोच लड़ाकों के लगातार हो रहे हमलों के बीच मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने प्रांत में भ्रष्टाचार की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लड़ना हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है।

अखबार डॉन के मुताबिक, बुगती ने मंगलवार को बलोचिस्तान सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (बीयूआईटीइएमएस) में भ्रष्टाचार रोधी दिवस पर एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार बलोचिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती है जिसने प्रांतीय विभागों की अखंडता को कमजोर किया है, सामाजिक एकजुटता को प्रभावित किया है और युवाओं का सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास कम किया है।

बुगती ने जोर दिया कि सुरक्षा बल कानून-व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के बिना विकास

और सत्ता का सफल संचालन संभव नहीं है। इस अवसर पर उन्होंने बलोचिस्तान की पहली युवा नीति की शुरुआत की घोषणा भी की। इसके तहत युवाओं से प्रांत के खिलाफ प्रचार को विफल करने और राज्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया गया। उन्होंने युवाओं की रोजगार और शासन से संबंधित शिकायतों को स्वीकार किया लेकिन जोर दिया कि इसके कारण उन्हें राष्ट्र से अलग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी प्रचार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए और उन्हें देश के विकास के लिए काम करना चाहिए। मेरिट-आधारित सुधारों पर प्रकाश डालते हुए बुगती ने ध्यान दिलाया कि शिक्षा विभाग में 12 हजार से 16 हजार शिक्षकों की भर्ती मेरिट के आधार पर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार से निपटने के लिए नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (नैब) की टीम और भ्रष्टाचार रोधी अन्य संस्थानों को मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि भ्रष्टाचार वित्तीय अनियमितताओं से परे लापरवाही और सार्वजनिक विश्वास का उल्लंघन है। उन्होंने अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों समेत प्रदेश की जनता का आह्वान किया कि वे इस बाबत अपनी भूमिकाओं के प्रति सजग रहें और सभी मामलों में पारदर्शिता बनाए रखें।

नेपाल में आम चुनाव पर सर्वदलीय बैठक 16 अक्टूबर को

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने अगले साल पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव के बारे में सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए आयोग ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कार्यवाहक मुख्य चुनाव आयुक्त रामप्रसाद भंडारी ने बताया कि 16 अक्टूबर को यह सर्वदलीय बैठक बुलाने को लेकर सभी को पत्र भेजा गया है। भंडारी ने बताया कि इस बैठक में विघटित प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। इसके अलावा प्रदेश और पालिका स्तर पर भी एक भी सीट जीतने वाली पार्टी के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया है। निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव को लेकर कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया है, जिसमें 17-26 नवंबर तक पार्टी पंजीकरण, 18 नवंबर से जिला स्तरीय चुनाव कार्यालयों की स्थापना और समानुपातिक उम्मीदवारों के लिए 1 दिसंबर से प्रक्रिया शुरू किए जाने का निर्णय किया गया है। समानुपातिक उम्मीदवारों की बंद सूची जमा करने के लिए 2-3 जनवरी के लिए निर्धारित है। इसी तरह 15 फरवरी से 1 मार्च, 2026 तक चुनाव प्रचार का समय तय किया गया है। 2 मार्च से 4 मार्च तक मौन अवधि के लिए रखा गया है। मतदान 5 मार्च, 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित है। 8-9 सितंबर के जेन जी विरोध प्रदर्शनों के बाद गठित सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने संसद के भंग होने के बाद चुनाव की तारीख की घोषणा की थी।

संरा ने सशस्त्र समूहों से 410 बच्चों को कराया मुक्त

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (संरा) शांति सैनिकों और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने पूर्वी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए 410 बच्चों को मुक्त कराने के लिए मिलकर काम किया। संरा के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि डीआरसी में शांति मिशन (जिसे मोनुस्को के नाम से जाना जाता है) ने जनवरी से सितंबर तक यूनिसेफ के साथ मिलकर उत्तरी किवु और इतुरी प्रांतों में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए 344 लड़कों और 66 लड़कियों को मुक्त कराया। दुजारिक ने कहा कि मुक्त कराए गए बच्चों को ऐसी सेवाओं के लिए भेजा गया है जो उन्हें उनके अनुभव के बाद सामान्य जीवन में फिर से

ढलने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा, इसी अवधि के दौरान, संयुक्त राष्ट्र द्वारा बच्चों की भर्ती और (सशस्त्र समूहों द्वारा) इस्तेमाल के 165 मामलों की पुष्टि की गई, जिनमें 30 लड़कियां और 135 लड़के शामिल थे। हमारे सहयोगियों ने हमें बताया कि ये आँकड़े संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों की निरंतर भेद्यता को रेखांकित करते हैं और रोकथाम, जवाबदेही और दीर्घकालिक पुनर्एकीकरण सहायता सहित निरंतर सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता को भी उजागर करते हैं। दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय के बाल एवं सशस्त्र संघर्ष ढाँचे के अंतर्गत, शांति मिशन बच्चों के विरुद्ध गंभीर उल्लंघनों को रोकने और उनका जवाब देने के लिए काम करते हैं, जिसमें सशस्त्र बलों और समूहों द्वारा उनकी भर्ती और उपयोग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मोनुस्को, जवाबदेही को बढ़ावा देने और बाल संरक्षण को बढ़ाने के उद्देश्य से, कार्य योजनाओं को लागू करने, सुरक्षा बलों की क्षमता को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र की निगरानी एवं रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से उल्लंघनों की रिपोर्ट करने में डीआरसी के राष्ट्रीय अधिकारियों का समर्थन करता है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में दिवाली के दिन छुट्टी, स्कूल-कॉलेज और सरकारी दफ्तर रहेंगे बंद

एजेंसी

वॉशिंगटन । दीवाली का त्योहार जैसे-जैसे करीब आ रहा है, भारत के अलग-अलग हिस्सों में हलचल तेज हो रही है। बाजार और घरों की साफ-सफाई और सजावट शुरू हो चुकी है। हालांकि, दीवाली के इस त्योहार की जगमगाहट भारत तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भी दीवाली मनाई जाने लगी है। इसी क्रम में अमेरिका के कैलिफोर्निया में दीवाली के दिन छुट्टी की घोषणा की गई है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर साइन करके इसे आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की लिस्ट में शामिल कर दिया है। इस कानून के तहत कैलिफोर्निया के सरकारी कार्यालय, कम्युनिटी कॉलेज और सरकारी स्कूलों में दीवाली की छुट्टी होगी। इसके अलावा स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के मौके पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी मिल गई है। बता दें कि पेंसिल्वेनिया अमेरिका का पहला राज्य है, जहां दिवाली के मौके पर अवकाश घोषित किया गया था। इसके अलावा कनेक्टिकट और न्यूयॉर्क में भी दिवाली के मौके पर छुट्टी होती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के पूर्व सलाहकार और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी अजय जैन भूटोरिया ने इस मौके पर कैलिफोर्निया के गवर्नर को धन्यवाद देते हुए कहा, ÷धन्यवाद गवर्नर न्यूसम, एबी 268 पर हस्ताक्षर करके दिवाली को कैलिफोर्निया का अवकाश बनाने के लिए सीनेट सदस्य अश कालरा और डॉ. दर्शन पटेल को इस विधेयक का समर्थन करने और इसे अंतिम रूप देने, प्रकाश, एकता और हमारे विविध समुदायों का जश्न मनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अश कालरा ने पिछले महीने कहा था, कैलिफोर्निया भारतीय अमेरिकियों की सबसे बड़ी आबादी वाला स्थान है और दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से लाखों कैलिफोर्निया वासियों तक इसका संदेश पहुंचेगा जो इसे मनाते हैं और विविधता से भरे हमारे राज्य में कई लोगों को इसे अपनाने में मदद मिलेगी। मॉरीशस में भारी संख्या में भारतीय मूल की आबादी होने की वजह से दीवाली के दिन राष्ट्रीय अवकाश है। इसके अलावा मलेशिया में हरी दीवाली के नाम से दीवाली की छुट्टी होती है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति की कथित तौर पर हत्या की कोशिश, 500 लोगों ने नोबोआ के काफिले को घेरा

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ की कथित तौर पर हत्या की कोशिश का मामला सामने आया है। इक्वाडोर सरकार की ओर से साझा जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति नोबोआ दक्षिणी प्रांत कैनर की यात्रा पर थे, जिस दौरान कथित तौर पर उनकी हत्या की कोशिश की गई। मामले में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई गई है। पर्यावरण एवं ऊर्जा मंत्री इनेस मंज़ानो ने इस मामले में जानकारी दी है कि नोबोआ के काफिले पर एल ताम्बो शहर में हमला हुआ। हमले के दौरान नोबोआ अपने काफिले के साथ नए सार्वजनिक कार्यों के उद्घाटन के लिए स्टेडियम जा रहे थे। इनसे मंजानो ने मीडिया को बताया, करीब 500 लोग आए और पत्थर फेंकने लगे। राष्ट्रपति की कार पर गोलियों के निशान भी हैं। नोबोआ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं इस मामले में पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनपर आतंकवाद के आरोप लगाए जाएंगे। इस घटना के दौरान राष्ट्रपति के काफिले में शामिल कई वाहनों को नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रपति कार्यालय ने हमलावरों पर एक सामुदायिक परियोजना के उद्घाटन को रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दरअसल, 12 सितंबर को नोबोआ सरकार ने डीजल पर सब्सिडी खत्म करने के फैसले का ऐलान किया। राष्ट्रपति के ऐलान के बाद ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। ईंधन की कीमत बढ़ने को लेकर लोगों में काफी गुस्सा था।

ओली की संभावित गिरफ्तारी पर प्रधानमंत्री कार्की ने की सुरक्षा प्रमुखों के साथ समीक्षा

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की संभावित गिरफ्तारी और उसके बाद उत्पन्न होने वाली परिस्थिति को लेकर प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल की सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों सहित प्रधानमंत्री आवास पर बीती रात 10 बजे से सुबह 3 बजे तक बैठक हुई। बैठक में ओली की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों पर चर्चा की गई। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक और काठमांडू के तत्कालीन मुख्य जिला अधिकारी छविलाल रिजाल सहित अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी और कार्रवाई को लेकर दबाव लगातार बढ़ रहा है। बैठक में चुनाव की तैयारियों, तत्कालीन प्रधानमंत्री ओली और गृह मंत्री लेखक को गिरफ्तार किए जाने या न किए जाने की स्थिति में उत्पन्न होने वाली स्थिति, दंगों की आशंका और धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई।

नेपाल पुलिस के प्रमुख आईजीपी चंद्र कुबेर ख़ापुंग ने बताया

कि चर्चा में गिरफ्तारी करने और नहीं करने दोनों ही स्थितियों में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों पर चर्चा केंद्रित रही। इस बैठक में खापुंग के अलावा नेपाली सेना के प्रधान सेनापति अशोक राज सिग्देल, सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी राजू अर्याल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के निदेशक टेकेंद्र कार्की मौजूद थे। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्यल दोनों ही ओली और लेखक की गिरफ्तारी के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं जबकि सुरक्षा प्रमुखों का मानना है कि इससे स्थिति और अधिक बिगड़ सकती है। गृहमंत्री अर्याल ने कहा कि निहत्थे युवाओं पर गोली चलाने और 76 युवाओं की जान गंवाने को लेकर किसी को तो जिम्मेदार ठहराना होगा। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षाकर्मी पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व गृहमंत्री को गिरफ्तार नहीं करते हैं तो जेन जी समूह और अधिक आक्रामक तरीके से सड़क पर उतर सकती है। गृहमंत्री अर्याल ने कहा अगर हम जेन जी समूह द्वारा शुरू से ओली और लेखक की गिरफ्तारी की मांग को दरकिनार करेंगे, तो इससे और नुक़सान हो सकता है। और ज़्यादा खून-ख़राबा हो सकता है, चुनाव का माहौल बिगड़ सकता है। बैठक में शामिल सशस्त्र प्रहरी बल के महानिरीक्षक राजू अर्याल ने कहा, अगर वे ओली और लेखक को गिरफ्तार करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो दोनों पक्षों के सड़क पर उतरने और आपसी टकराव की आशंका है। सुरक्षा बलों का आकलन है कि ओली की गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी के भी हजारों कार्यकर्ता सड़क पर उतर सकते हैं जिसके बाद दोहरे झड़प की आशंका है। क्या सरकार उस स्थिति से निबटने के लिए तैयार है? आईजीपी अर्याल ने कहा कि इससे चुनाव का माहौल बिगड़ सकता है। स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है।

खबर संक्षेप

हंदवाड़ा व्यापारियों ने महासंघ के नए अध्यक्ष और महासचिव का धन्यवाद किया

जम्मू, 8 अक्टूबर (हि.स.)। हंदवाड़ा के व्यापारियों ने व्यापारी महासंघ हंदवाड़ा के नए निर्वाचित अध्यक्ष और महासचिव का धन्यवाद किया जिन्होंने उनके लंबे समय से लंबित पेयजल टैंक स्थापित करने की मांग पूरी की। ये टैंक हंदवाड़ा उप-जिले के कई स्थानों पर लगाए गए हैं।

स्थानीय दुकानदारों ने मीडिया से बातचीत में महासंघ के प्रयासों की सराहना की और इसे व्यापारियों तथा आम जनता के लिए एक बड़ी राहत बताया। उन्होंने अधिकारियों और महासंघ से अपील की कि शहर में सड़क रोशनी और फुटपाथ निर्माण को भी प्राथमिकता दी जाए ताकि जनता की सुविधा बढ़ाई जा सके।

इस अवसर पर व्यापारी महासंघ हंदवाड़ा के महासचिव मलिक अब्दुल राशिद ने कहा कि यह पहल स्थानीय निवासियों और व्यापारिक समुदाय दोनों के हित में की गई है। उन्होंने इस परियोजना को सफल बनाने में विधायक हंदवाड़ा नगरपालिका कार्यकारी अधिकारी, पीएचई विभाग और हंदवाड़ा प्रशासन के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

मलिक ने कहा कि महासंघ जनता और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है और हंदवाड़ा के समग्र कल्याण और विकास के लिए लगातार काम करता रहेगा।

एनएचपीसी अस्थाई कर्मचारियों का धरना छठे दिन भी जारी, विधायक कुलदीप राज दुबे ने समर्थन किया

जम्मू., 8 अक्टूबर (हि.स.)। एनएचपीसी के अस्थाई कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन छठे दिन भी जारी रहा। इस दौरान विधायक कुलदीप राज दुबे भी समर्थन में प्रदर्शन स्थल पहुंचे।

कर्मचारी पिछले छह दिनों से अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। उनका कहना है कि वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद उन्हें स्थायी नहीं किया गया और अन्य सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। कर्मचारी चेतावनी देते हुए कह रहे हैं कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे पीछे नहीं हटेंगे।

आज प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे विधायक कुलदीप राज दुबे ने कर्मचारियों का समर्थन किया और कहा कि उनकी मांगें पूरी तरह जायज हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही एनएचपीसी प्रबंधन और प्रशासन के साथ बैठक कर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने विधायक का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि उनके हस्तक्षेप से वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होगा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

इस आंदोलन ने क्षेत्र में बिजली उत्पादन पर भी असर डालना शुरू कर दिया है, जिससे आम जनता में चिंता बढ़ रही है। अब यह देखना होगा कि एनएचपीसी प्रबंधन कब तक ठोस कदम उठाता है।

उपमुख्यमंत्री ने लसजन-सुमेरबुग क्षेत्र में पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

श्रीनगर 08 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, जो लोक निर्माण विभाग के मंत्री का भी कार्यभार संभाल रहे हैं, ने चडूरा के विधायक अली मोहम्मद डार के साथ लसजन सुमेरबुग क्षेत्र का विस्तृत दौरा किया।

दौरे के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कई जन प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें सड़क संपर्क और अवसंरचना से संबंधित विभिन्न स्थानीय मुद्दों से अवगत कराया।

सुरिंदर चौधरी ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को लसजान कडलाबल सड़क पर तुरंत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए, जिसे लगभग 11 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से उन्नत किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी को लंबित कार्य नवंबर के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि दिसंबर में यह सड़क आम जनता के लिए खोल दी जा सके।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को 15 दिसंबर तक सीर-सुमेरबुग पुल के समयबद्ध निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया, साथ ही यह बताया कि पुल का शेष भाग 2 करोड़ रुपनये की लागत से निर्मित किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने सड़क अवसंरचना को मजबूत करने और सभी चल रही विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि जनता को सुविधा हो सके।

शलजम की खेती

अगर आप किसान हैं और खेती में कुछ नया करना चाहते हैं तो इस बार आने वाले बारिश के मौसम में शलजम की फसल उगाएं। यह फसल आपको डबल फायदा देगी। वैश्विक महामारी कोविड के बाद शलजम की दुनिया भर में जबर्दस्त डिमांड होने लगी है। इसमें खनिज और विटामिन की भरपूर मात्रा होने के कारण इम्युनिटी पावर बढ़ाने की क्षमता है। वहीं इसका सेवन हृदय रोग, रक्तचाप एवं सूजन आदि बीमारियों में रामबाण का काम करता है। एकल जड़ वाली यह फसल सब्जी श्रेणी में आती है। इसे सलाद में भी खूब उपयोग करते हैं। यह सर्दी के मौसम की फसल है लेकिन इसकी रोपाई आने वाले जुलाई माह के अंत या अगस्त में कर सकते हैं। आइए, किसान भाइयों को बताते हैं कैसे की जाए शलजम की उन्नत खेती जिससे फसल हो भरपूर और आमदनी हो ज्यादा से ज्यादा।

सबसे पहले भूमि का चयन करें

आपको शलजम की खेती करनी है तो इसके लिए सर्वप्रथम जमीन का चयन करना होगा। इसका मतलब यह है कि जिस खेत में बलुई या दोमट अथवा रेतीली मिट्टी हो वहां शलजम की खेती करना फायदेमंद रहेगा। शलजम की जड़ें भूमि के अंदर होती हैं, इसलिए इसे नर्म जमीन की जरूरत होती है। यह ठंडी जलवायु वाली फसल है। इसके लिए 20 से 25 सेंटीग्रेड तापमान चाहिए।

शलजम के लिए कैसे करें खेत को तैयार

किसान भाइयों को बता दें कि शलजम की खेती के लिए जिस जमीन का आपने चयन किया है उसे अब पूरी तरह से तैयार करना होगा। शलजम की खेती में भुरभुरी मिट्टी की जरूरत होती है, इसके लिए सबसे पहले खेत की गहरी जुताई कर दें। इससे खेत में मौजूद पुरानी फसल के अवशेष पूरी तरह से नष्ट हो जाएंगे। जुते हुए खेत की मिट्टी में धूप लगने के लिए खेत को कुछ समय के लिए ऐसे ही खुला छोड़ दें। इसके बाद खेत में 250 से 300 क्विंटल गोबर की पुरानी खाद या वर्मी कंपोस्ट की मात्रा दें। इसके बाद अच्छी तरह से जुताइ कर मिट्टी में पानी लगा कर वापस जुताई करें जिससे मिट्टी भुरभुरी हो जाए। इसके बाद पाटा लगा कर खेत को समतल कर दें। रासायनिक उर्वरक में 50 किलोग्राम फास्फोरस,100 किलोग्राम नाइट्रोजन एवं 50 किलोग्राम पोटाश की मात्रा को खेत मे आखिरी जुताई के समय दें।

शलजम की बुआई का तरीका

यहां आपको बता दें कि शलजम की बुआई पंक्तिबद्ध तरीके से की जानी चाहिए। बीज उथले वाले हल की सहायता से 20 से 25 सेमी की दूरी पर बनाए गए कूढ़ों में बोया जाए। पौधे से पौधे की दूरी 8 से 10 सेमी की होनी चाहिए। जब पौधे बढ़ जाएं और तीन पत्तियों के हो जाएं तो फालतू के पौधों को निकाल कर उनकी आपस की दूरी 10 सेमी की कर देनी चाहिए। कहीं-कहीं पर शलजम को मेड़ों पर भी बोया जाता है।

शलजम की उन्नत किस्मों का बुआई में करें इस्तेमाल

शलजम की खेती करने के लिए आपको खेत तैयार होने के बाद इसके बीज की जरूरत होती है। इसके लिए आपको उन्नत किस्मों का ही चयन करना चाहिए। यहां आपको शलजम की कुछ उन्नत किस्मों की जानकारी दी जा रही है जो इस प्रकार है-:

1. लाल - 4 शलजम

शलजम की यह किस्म शरद ऋतु की है। इसके तैयार होने में 60 से 70 दिन का समय लगता है। इसकी खासियत यह है कि इनमें निकलने वाली जड़ों का आकार सामान्य और गोल होता है।

2. सफेद- 4 शलजम

इस किस्म को वर्षा काल में लगाया जाता है। इसे तैयार होने में 50 से 55 दिन का समय लगता है। इसकी उपज 200 क्विंटल प्रति हैक्टेयर होती है।

3. परपल टोप शलजम

शलजम की यह किस्म आकार में सामान्य से बड़ी होती है जिसका ऊपरी आवरण बैंगनी और गूदा सफेद होता है। इसे तैयार होने में 60 से 65 दिन का समय लगता है। इसका उत्पादन 150 से 180 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक होता है।

4. पूसा स्वर्णिमा शलजम

यह किस्म मध्यम आकार वाली होती है। इसका रंग हल्का पीला और इसमें चिकनापन अधिक होता है। जड़ें मध्यम आकार की होती हैं।

5. पूसा चंद्रिका शलजम

बता दें कि इस किस्म की शलजम को तैयार होने में 55 से 60 दिन लग जाते हैं। इसकी जड़ें गोल आकार वाली होती हैं।

6. पूसा कंचन

शलजम की यह किस्म लाल कलर की होती है। इसका गूदा पीले रंग वाला होता है।

7. पूसा स्वेती शलजम

यह एक अगेती किस्म है जिसकी बुआई अगस्त से सितंबर माह के मध्य की जाती है। इसकी जड़ें सबसे कम टाइम में पकती हैं। इनके तैयार होने में महज 45 दिन का समय लगता है।

8. स्नोवाल शलजम

यह किस्म सफेद रंग लिए होती है। इसका आकार गोल होता है। गूदा नरम और मीठा होने के कारण इसे सलाद में खूब उपयोग किया जाता है। इसे तैयार होने में 55 से 60 दिन का समय लगता है।

शलजम स्वास्थ्य के लिए है कई तरह से फायदेमंद

बता दें कि शलजम की फसल सब्जी वाली फसल है लेकिन इसमें कई औषधीय गुण होने के कारण यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है। हालांकि इससे किसी बीमारी का उपचार नहीं होता, इसका सेवन काफी हद तक लाभकारी होता है। इसके सेवन के लाभ इस प्रकार हैं-

शलजम से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है,

कैंसर और ब्लड प्रैशर पर कंट्रोल रहता है।

हृदय रोगों में लाभकारी

शलजम खाने से वजन घट सकता है

यह फेंफड़ों को मजबूत बनाती है।

आंतो के लिए लाभदायक होती है। लीवर और किडनी में फायदेमंद

इसके सेवन करने मधुमेह रोग नहीं होता।

शलजम से बालो की मजबूती बढ़ती है।

रबी मौसम में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसल, 'जई'

रबी मौसम में उगाई जाने वाली फसलों में जेई का एक महत्वपूर्ण स्थान है । इसकी खेती अधिकतर अक्टूबर तक भूमि में पर्याप्त नमीं होने पर,असिंचित दशा में की जा सकता है। ऐसे सभी जलवायु क्षेत्रों में जहां गेहूं और जौ की खेती होती हो वहां इसकी खेती की जा सकती है । यह पाले एवं अधिक ठंड को सहन कर सकती है । इसकी खेती सभी प्रकार की जमीनों में की जा सकती है, किन्तु दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिये सर्वोत्तम होती है । हल्की जमीनों में इस फसल को अपेक्षाकृत जमीनों से अधिक जल की आवश्यकता होती है ।

फसल का अच्छा अंकुरण प्राप्त करने के लिये खेती की अच्छे से तैयारी करना जरूरी है, इसके लिये खेत में देशी हल से दो-तीन जुताईयां या बक्षर से 2-3 बखरनी करना चाहिये । ट्रेक्टर चलित यंत्रों में एक बार कल्टीवेटर चलाने के बाद दो बार हैरो चलाये । तत्पश्चात् पाटा चलाकर खेत को समतल करना चाहिये ।

उन्नत प्रजातियां

उन्नत प्रजातियां जैसे वाहर जई-1, जई-2, जई-03-91, कैंट, ओ.एस.-6, जे.एच.ओ. 822 या जे.एच.ओ. 851 का शुद्ध प्रमाणित और अच्छे अंकुरण वाला बीज विश्वसनीय स्थान से बोनी के पूर्व सुरक्षित करें । अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिये इसकी बोनी के लिये नवम्बर का समय सबसे उपयुक्त है, किंतु परिस्थितियों एवं चारे की आपूर्ति के अनुसार इसकी बुआई दिसम्बर प्रथम सप्ताह तक की जा सकती है । बुआई मे देरी करने से तापमान में कमी के कारण अंकुरण देरी से होता है । इसकी बोनी नारी हल या सीडड्रिल से 25 सेंटीमीटर की दूरी पर कतारों में करना चाहिये । बीज की बोनी 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई में करना चाहिये । कतारों में बोयी गई फसल मे खरपतवारों का नियंत्रण आसानी से किया जा सकता है, जिससे पौधों की बाढ़ अच्छी रहती है । बोनी के पहले बीज को 2 से 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से कार्बाक्सिन या कार्बनडाजिम नाम दवा से उपचारित करने से अंकुरण अच्छा होता है और फसल बीज जनित रोगों से मुक्त रहती है । चारे के लिये बोई गई फसल के लिये 100 किलोग्राम बीज प्रति हे. बोना चाहिये । किंतु दाने के लिये केवल 80 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। जई की अच्छी पैदावार के लिये 10 टन प्रति हे. गोबर की खाद अंतिम जुताई के पूर्व खेत में बिक्षेर कर मिट्टी में मिला देना चाहिये ।

इस फसल को 80 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर व 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हे. देना चाहिये । कुल नत्रजन की एक तिहाई मात्रा तथा स्फुर एवं पोटाश की मात्रा बोनी के समय देना चाहिये। शेष नत्रजन को दो बराबर भागों में क्रमशः पहली और दूसरी सिंचाई के बाद देना चाहिये । बुआई के समय 2 किलोग्राम एजेटोबेक्टर का उपयोग करने से 20 किलोग्राम नत्रजन प्रति हे. कम की जा सकती है साथ ही आधा किलोग्राम पी.ए.स.बी. जीवाणु कल्चर का उपयोग करने से स्फुर की उपयोगिता बढ़ जाती है ।

बरसीम की खेती

बरसीम हरे चारों में अपने गुणों द्वारा दुधारू पशुओं के लिए प्रसिद्ध है उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्रों में मक्का या धान के बाद रबी की फसल में बरसीम की खेती की जाती है बरसीम की खेती हरे चारे हेतु लगभग पूरे भारतवर्ष में की जाती है।

बरसीम की खेती के लिए उपयुक्त मौसम

बरसीम को रबी की फसलों के साथ उगाते हैं। इसके लिए गर्मी की आवश्यकता नहीं होती है इसलिए शरद ऋतु में ही इसकी खेती हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, Jammu में की जाती है बरसीम की खेती के लिए दोमट तथा भारी दोमट भूमि सर्वोत्तम होती है इसकी खेती के लिए अम्लीय भूमि उपयुक्त नहीं होती है।

बरसीम की मुख्य किस्में

बरसीम की मुख्य प्रजातियां इस प्रकार से हैं जैसे कि बरदान, मैस्कावी, बुंदेलखंड बरसीम जिसे जे.एच.पी.146 भी कहते हैं जे.एच.टी.वी.146, वी.एल.10, वी.एल. 2, वी.एल. 1, वी.एल. 22 एवं यु.पी.वी.110 तथा यु.पी.वी.103 है।

बुवाई के लिए खेत की तैयारी

खरीफ की फसल के बाद बरसीम की खेती हेतु पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद दो-तीन जुताई कल्टीवेटर या देशी हल से जुताई करके खेत को भुरभुरा बना लेना चाहिए बुवाई के लिए खेत को 4 मीटर गुणे 5 मीटर की क्यारियों में बाँट लेना चाहिऐ

बीज दर और बीज उपचार

बरसीम का बीज 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर लगता है चारा की उपज अधिक प्राप्त करने हेतु साथ में मिलाकर टाइप 9 सरसों चारे वाली का बीज एक किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बोते हैं बरसीम में प्रायः कसनी का बीज मिला रहता है इसको निकालने हेतु 5 से 10 प्रतिशत नमक के घोल में मिश्रित बीज डाल देने से कसनी के बीज ऊपर आ जाते हैं उन्हें छानकर अलग कर लेना चाहिए

नमक के घोल से बीज को तुरंत निकालकर अलग कर लेना चाहिए जब बरसीम खेत में पहली बार बोई जा रही हो तो 10 किलोग्राम बीज को 200 ग्राम बरसीम कल्चर की दर से उपचारित कर लेना चाहिए कल्चर न मिलाने पर बीज के बराबर मात्रा में पहले बोये गए खेत की मिट्टी मिला लेते हैं मृदा उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रयोग करें तथा 4 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार भी करना चाहिए

बरसीम की बुवाई का समय

बरसीम की बुवाई 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक करना ठीक रहता है देर से बोने पर कटाई की संख्या कम तथा उपज भी कम प्राप्त होती है खेत की 4 गुना 5 की तैयार क्यारियों में 5 सेंटीमीटर गहरा पानी भरकर उसके ऊपर शोधित बीज छिड़ककर बुवाई करते हैं बुवाई के 24 घंटे बाद पानी क्यारियों से निकाल देना चाहिए जहाँ धान कटने के बाद बरसीम की बुवाई की जाती है वहाँ पर यदि धान कटने में यदि देर हो तो धान कटने से पहले 10 से 15 दिन पूर्व भी बरसीम को धान की खड़ी फसल में छिड़काव विधि से बुवाई करते हैं

बरसीम में पोषण व्यवस्था

बरसीम में नाइट्रोजन की मात्रा की आवश्यकता कम पड़ती है बरसीम हेतु 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलोग्राम फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की दर से बोते समय खेत में छिड़ककर मिट्टी में अच्छी तरह मिला देनी चाहिए इसके बाद क्यारी बनाकर पानी भरना चाहिए।

सिंचाई प्रबंधन

बरसीम में पहली सिंचाई बीज अंकुरित होने के तुरंत बाद करनी चाहिए बाद में प्रत्येक सप्ताह के अंतर पर दो-तीन सिंचाई करनी चाहिए इसके बाद अंत तक 20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें तथा मार्च से मई तक 10 दिन के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

फसल में खरपतवार प्रबंधन

बरसीम में निराई गुड़ाई की आवश्यकता कम पड़ती है तथा खरपतवार के साथ-साथ कासनी जमती है तो उसे खरपतवार के साथ ही उखाड़कर अलग कर देना चाहिए खरपतवार एवं कासनी उखाड़ने के बाद पानी लगाना चाहिए

बरसीम की कटाई

बरसीम में कुल चार-पांच कटाइयाँ होती हैं बरसीम का फोलियेज जिसे हम हरा तना कहते हैं 6 से 8 सेंटीमीटर के ऊपर से कटना चाहिए पहली कटाई बोने के 45 दिन बाद करनी चाहिए इसके बाद कटाई दिसम्बर एवं जनवरी में 30 से 35 दिन बाद करते हैं तथा फरवरी में 20 से 25 दिन बाद कटाई करते हैं इस प्रकार कुल 4 से 5 कटाई केवल चारा प्राप्त करने हेतु की जाती है

बरसीम का बीज उत्पादन

इसमे दो तरह से उपज प्राप्त होती है एक तो हरा चारा दूसरा बीज उत्पादन परिस्थिति के आधार पर प्राप्त होता है हरा चारा बिना बीज उत्पादन के 800 से 1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है बीजोत्पादन पर हरा चारा 400 से 500 क्विंटल प्रति हेक्टेयर एवं बीज दो से तीन क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है।

बरसीम की दो-तीन कटाई के बाद कटाई बंद कर दी जाती है फरवरी का अंतिम या मार्च का प्रथम सप्ताह उपयुक्त होता है अंतिम कटाई के 10-15 दिन तक कटाई रोक देना चाहिए। अधिक कटाई करने पर बीज की उपज कम एवं बीज कमजोर प्राप्त होता है।